मंगलवार
07 जुलाई -2026
वर्ष 10, अंक 303
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

पेज-8

झमाझम बारिश से बिगड़े महाराष्ट्र के हालात

- सतारा में पुल टूटा, क्रेन से निकाली गईं कारें
- घाटी में लैंडस्लाइड, हिमाचल में कार पर पत्थर गिरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। महाराष्ट्र में तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। मुंबई-पुणे रेल रूट पर करजत-लोनावला के भोर घाट सेक्शन में दो जगह लैंडस्लाइड हो गई। इससे तीनों रेलवे लाइनें प्रभावित हो गईं। 20 ट्रेनों को कैंसिल करना पड़ा। उधर, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भी लैंडस्लाइड होने से रास्ता बंद हो गया। सातारा जिले के महाबलेश्वर में वेण्णा नदी का पुल टूटने से 10-12 पर्यटक फंस गए। कारों को क्रेन की मदद से निकाला गया। डीएम ने सभी सरकारी और प्रायवेट स्कूलों-कॉलेजों में छुट्टी घोषित की है। मुंबई एयरपोर्ट पर 17 फ्लाइट रद्द हुई। मुंबई में प्राइवेट ऑफिसों के कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने को कहा गया है। वहीं जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड हो गई। 6-7 गाड़ियां मलबे में दब गईं। मलबा हटाने का काम जारी है। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में चलती गाड़ी पर पत्थर गिरने से 14 साल की लड़की की मौत हो गई।

कुल्लू में पागल नाले में बाढ़, मलबा आने से हाईवे बंद– हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में सुबह से हो रही बारिश के बाद आज पागल नाला में बाढ़ आ गई। इससे सारा मलबा हाईवे पर आ गया। इसके बाद लारजी को सैंज से जोड़ने वाला हाईवे वाहनों के लिए बंद हो गया है। मुबंई में लगातार बारिश से वसई-विरार के कई निचले इलाके पानी में डूब गए। कई सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया, जिससे वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। वसई-विरार से हर दिन लाखों लोग काम के लिए मुंबई आते-जाते हैं। सोमवार सुबह जलभराव और ट्रैफिक की वजह से लोगों को ऑफिस पहुंचने में काफी परेशानी हुई।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी : चंपत राय, अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर

- पूर्व IFS कृष्ण मोहन नए महासचिव, ट्रस्ट बोला- घटना से हम शर्मिंदा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की पहली बैठक 3 घंटे चली। बैठक के बाद कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी बोले महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। चंपत राय ने कहा है कि जब तक अपराधी पकड़े नहीं जाते तब तक पद पर रहना सही नहीं है। जो हुआ वह कष्टदायी है। इससे हम सब दुखी हैं। चढ़ावा चोरी लज्जाजनक घटना है। ट्रस्टी के. पाराशरन ने कहा था कि त्यागपत्र देते ही इसे स्वीकार करना ट्रस्ट के संविधान में हैं। इसलिए इस्तीफा स्वीकार किया गया। चंपत राय की अनुपस्थिति में नए ट्रस्टी रिटायर्ड IFS कृष्ण मोहन को कार्यवाहक महासचिव बनाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

यूपी का जलालाबाद अब हुआ परशुराम पुरी

- योगी सरकार ने बदला शाहजहांपुर के कस्बे का नाम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला हुआ है। शाहजहांपुर के जलालाबाद कस्बे का नाम बदलकर परशुराम पुरी करने का प्रस्ताव पास हो गया है। नाम परिवर्तन के इस प्रक्रिया की शुरुआत मार्च 2018 से हुई थी। यह स्थान भगवान परशुराम की जन्मस्थली मानी जाती है। यहां भगवान परशुराम का एक प्राचीन मंदिर भी है।

शाहजहांपुर नगर पालिका परिषद ने मार्च 2018 और सितंबर 2023 में बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को पारित किया। शाहजहांपुर के तत्कालीन डीएम ने अपनी संस्तुति के साथ प्रस्ताव प्रदेश सरकार को भेजा था। प्रदेश सरकार ने इसे केंद्र सरकार को आगे भेज दिया था। केंद्र सरकार ने 20 अगस्त, 2025 को राज्य सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे थी जिसे आज कैबिनेट बैठक में हरी झंडी दिखा दी गई है। **भगवान परशुराम की जन्मभूमि माना जाता है ये कस्बा–** कई पौराणिक ग्रंथों में इस छोटे से कस्बे को भगवान परशुराम की जन्मभूमि के रूप में वर्णित किया गया है। यही वजह है कि 2022 में सरकार ने इसे परशुराम जन्मभूमि के रूप में आधिकारिक घोषणा की थी। बताया जाता है कि इस स्थान और मंदिर का इतिहास हजारों साल पुराना है।

दक्षिण अफ्रीका से भारत आएंगे अब और चीते

- कूनो अभयारण्य बना रहेगा चीता लांचिंग ग्राउंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रोजेक्ट चीता की सफलता से उत्साहित दक्षिण अफ्रीका अब भारत को और चीते देने को राजी हो गया है। इसके तहत जल्द ही छह से आठ और चीते लाए जा सकते हैं। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष नेतृत्व के साथ हुई चर्चा में बनी सहमति के बाद चीतों की नई खेप को कूनो में रखने की तैयारी भी शुरू कर दी गई है। वैसे भी कूनो में बाहर से आने वाले चीतों को रखने के लिए जो ढांचा तैयार किया है, उसमें भविष्य में भी बाहर से आने वाले चीतों का लांचिंग ग्राउंड कूनो ही

रहेगा। फिलहाल मौजूदा समय में मध्य प्रदेश के कूनो और गांधी सागर अभयारण्यों में 53 चीते हैं। इस बीच मध्य प्रदेश के नौरादेही अभयारण्य को चीतों का एक तीसरा ठिकाना भी बनाने की तैयारी अंतिम दौर में है। माना जा रहा है कि इस साल के अंत तक कूनो से कुछ चीतों को वहां शिफ्ट किया जा सकता है। इसके बाद चीतों की एक खेप को गुजरात के बन्नी अभयारण्य में रखने की तैयारी है। पिछले दिनों राजस्थान के सरिस्का अभयारण्य में प्रोजेक्ट चीता को लेकर भी चर्चा हुई थी। इसमें प्रोजेक्ट चीता के भविष्य का रोडमैप प्रस्तुत किया गया था। इस दौरान बताया गया था कि कैसे कूनो और गांधी सागर में चीते खुले जंगल में विचरण कर रहे हैं। साथ ही शिकार भी कर रहे हैं। गौरतलब है कि देश में 2022 में नामीबिया से आठ, 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 और 2026 में बोत्सवाना से नौ चीते लाए गए हैं। हालांकि मौजूदा समय में भारत में जन्मे चीते ही वयस्क हो गए हैं।

'अर्थव्यवस्था' ने फिर से पकड़ी रफ्तार

- *कच्चे तेल की कीमत गिरते ही रुपए पर कम हो गया दबाव*
- *रिपोर्ट में दावा, शांति समझौते के बाद इकोनॉमी को मिली गति*

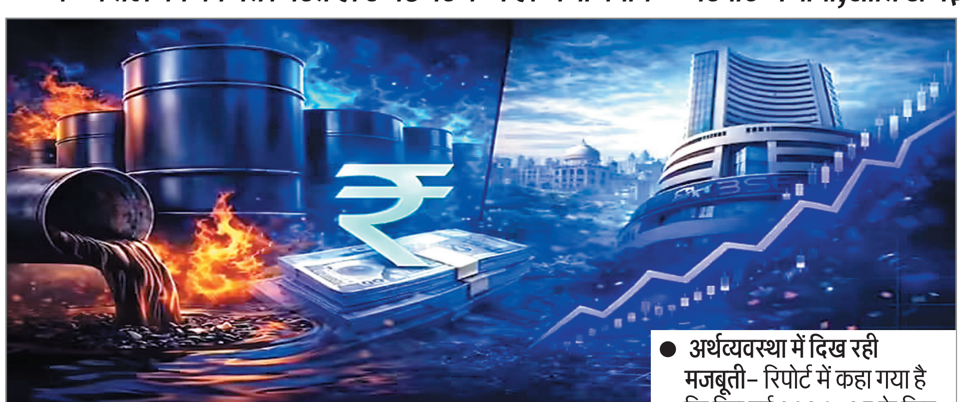

नई दिल्ली (एजेंसी)। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) की निकासी में कमी और रुपये में निवेश वाली परिसंपत्तियों के आकर्षक मूल्यांकन के चलते भारत की व्यापक आर्थिक स्थिति और विकास की संभावनाएं पहले से अधिक मजबूत हुई हैं।

यह बात डीएसपी की एक नई रिपोर्ट में कही गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आगे भी आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने वाली नीतियां अपनाने की संभावना रखता है। पर्याप्त तरलता बनाए रखने से बॉन्ड यील्ड में समय के साथ गिरावट आ सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में फिलहाल अतिरिक्त उत्पादन क्षमता उपलब्ध है और मांग में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिल रहा है। ऐसे में भारत के ग्रोथ आउटलुक में आगे और सुधार की संभावना है। डीएसपी का मानना है कि बेहतर आर्थिक वृद्धि, विशेष रूप से नॉमिनल ग्रोथ, कॉरपोरेट भारत की बिक्री में तेजी लाने का काम करेगी, जिससे कंपनियों के प्रदर्शन में सुधार देखने को मिल सकता है।

- **अर्थव्यवस्था में दिख रही मजबूती–** रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026–27 के लिए भारत का बैलेंस ऑफ पेमेंट अब अर्थव्यवस्था की एक बड़ी मजबूती बन सकता है। इसे पहले बाजार के लिए चिंता का विषय माना जा रहा था। रिपोर्ट के अनुसार रुपये में निवेश वाली परिसंपत्तियों पर बेहतर रिटर्न, रुपये का रियल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट (आरईईआर) अत्यधिक आकर्षक स्तर पर होना, बड़ी कंपनियों के शेयरों का कम मूल्यांकन और एफपीआई के डेट निवेश में बढ़ोतरी जैसे कारकों ने भारत की व्यापक आर्थिक तस्वीर को मजबूत बनाया है।

रुपये पर कम हुआ दबाव

रिपोर्ट में बताया गया कि मई 2026 में भारत का आरईईआर 88 से नीचे आ गया, जो आमतौर पर केवल गंभीर आर्थिक दबाव के दौर में देखने को मिलता है। भारत और अमेरिका के बीच महंगाई का अंतर भी कम हुआ है, जिससे लंबे समय में रुपये के तेजी से कमजोर होने की आशंका घट गई है। निर्माण गतिविधियों में बढ़ोतरी से सीमेंट उद्योग को भी बड़ा लाभ मिलने की संभावना है। लंबे समय से दबाव में चल रहे इस सेक्टर के परिचालन प्रदर्शन में सुधार आ सकता है। शेयर बाजार को लेकर डीएसपी ने लार्ज–कैप शेयरों को सबसे आकर्षक निवेश विकल्प बताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि कंपनियों की आय में सुधार आता है, तो बड़ी कंपनियों के शेयर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। हालांकि निफ्टी आईटी कंपनियों के बारे में रिपोर्ट का कहना है कि उनके शेयर फिलहाल मूल्यांकन के लिहाज से सस्ते हैं, लेकिन उनकी भविष्य की विकास दर को लेकर कुछ चिंताएं बनी हुई हैं।

बीएलओ के साथ बीएलए-2 भी निभा रहे अहम भूमिका, 7 दिन में 1 करोड़ मतदाताओं तक पहुंचे फॉर्म

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची: झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य तेजी से चल रहा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि अभियान के शुरुआती 7 दिनों में ही बीएलओ राज्य के लगभग 39.73% यानी 1,05,13,490 मतदाताओं तक घर-घर जाकर इन्यूमरेशन फॉर्म पहुंचा चुके हैं।

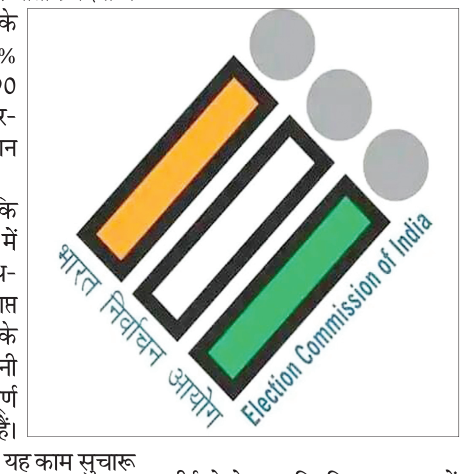

उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में बीएलओ के साथ-साथ मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए-2 भी जमीनी स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दोनों के समन्वय से यह काम सुचारू रूप से आगे बढ़ रहा है।श्री कुमार ने बताया कि बीएलए-2 प्रतिदिन 50 मतदाताओं के फॉर्म बीएलओ को जमा कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें सत्यापन प्रमाण पत्र भी देना होगा। बीएलए-2 एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ, डुप्लीकेट और रिफ्यूज टू साइन श्रेणी के मतदाताओं की अलग सूची भी तैयार करेंगे।उन्होंने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे बीएलए-2 की सक्रियता बनाए रखें ताकि पात्र नागरिकों को समय पर फॉर्म मिल सके और उनका डिजिटाइजेशन हो सके।

सीईओ ने कहा कि जिन मतदाताओं की मैपिंग पहले से हो चुकी है, उन्हें अतिरिक्त दस्तावेज जमा नहीं करने होंगे। 5 अगस्त को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन किया जाएगा।

हाफिज सईद ने ही रची थी पहलगाम हमले की साजिश

- एनआईए ने स्पेशल कोर्ट दाखिल की सप्लीमेंट्री चार्जशीट

एजेंसी ने भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान स्थित आतंकी हाफिज सईद के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। जम्मू की एनआईए स्पेशल कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में उसे हमले की साजिश रचने, आतंकियों को संचालित करने और भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोपी बनाया गया है। एनआईए ने हाफिज सईद को व्यक्तिगत तौर पर भी आरोपी बनाया है। उसे

प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा और उसके प्रॉक्सी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट का प्रमुख बताया गया है। चार्जशीट में उसके खिलाफ यूएपीए की कई धाराएं लगाई गई हैं।

- **एनआईए चार्जशीट में क्या–क्या खुलासा –** हमले का मास्टरमाइंड लश्कर–ए–तैयबा आतंकी सैफुल्लाह उर्फ सैफुल्लाह साजिद जट्ट उर्फ लंगड़ा था। साजिद, पाकिस्तान के लाहौर में कसूर में रहता है। साजिद जट्ट ही आतंकियों का मेन हैंडलर था। वह उन्हें रियल टाइम डायरेक्शन दे रहा था। उसने ही हमले वाली जगह बैसरन वैली की लोकेशन भेजी थी। हमले के दौरान भी वह लगातार आतंकियों से बात कर रहा था। चार्जशीट के मुताबिक टूरिस्ट गाइड परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार वक्त रहते जानकारी देते तो हमला नहीं होता।

8 जुलाई को रांची में लगेगी पुलिस की 'जन अदालत' बड़े अफसर खुद थानों में सुनेंगे फरियाद

दैनिक अलग पहचान, साजिद, ब्यूरो चीफ, झारखण्ड /

रांची: थानों के चक्कर और फाइलों में लटकी शिकायतों से परेशान रांची वासियों के लिए राहत की खबर है। रांची पुलिस 8 जुलाई, बुधवार को एक विशेष अभियान के तहत जनता के बीच पहुंच रही है। इस दिन जिले के सभी बड़े पुलिस अधिकारी अपने-अपने तय थानों में बैठकर आम लोगों की शिकायतें सीधे सुनेंगे और मौके पर ही समाधान का प्रयास करेंगे।

कौन कहां बैठेंगे अधिकारी – एसएसपी राकेश रंजन सुबह 11 से 2 बजे तक लालपुर थाना में मौजूद रहेंगे। सिटी एसपी पारस राणा सुखदेवनगर थाना में सुबह 9 से 12 और कोतवाली थाना में दोपहर 2 से 5 बजे तक फरियाद सुनेंगे।

रुरल एसपी गौरव गोस्वामी बुढ़मू थाना, ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह

अरगोड़ा थाना में सुबह 9 से 12 बजे तक रहेंगे। इसी तरह जिले के सभी डीएसपी भी अलग-अलग थानों में निर्धारित समय पर जनता से मिलेंगे।

इन थानों में थानेदार सुनेंगे बात –खेलगांव, डेलीमार्केट, सदर, डोरंडा, कांके, सिल्ली, ओरमांझी, लापुंग, लोअरबाजार, एयरपोर्ट समेत 25 अन्य थाना/ओपी में संबंधित थाना प्रभारी या ओपी प्रभारी सुबह 11 से 2 बजे और दोपहर 2 से 5 बजे तक शिकायतें दर्ज करेंगे।

पुलिस के अनुसार जमीन विवाद, आपसी झगड़ा, पुलिस की कार्यशैली से जुड़ी शिकायत या कोई भी लंबित मामला इस मंच पर रखा जा सकता है। उद्देश्य है कि आम लोगों को बड़े दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें और समस्याओं का त्वरित निपटारा हो।

शूटिंग रेंज की बदहाली पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जताई नाराजगी, कहा - 'खेल प्रतिभाओं से कोई समझौता नहीं होगा'

दैनिक अलग पहचान, अन्नपूर्णा गुप्ता, मुख्य संपादक, नई दिल्ली/

रांची: झारखंड के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को अचानक रांची के खेलगांव स्थित टिकैत उमराव सिंह शूटिंग रेंज का निरीक्षण किया। बिना किसी पूर्व सूचना के किए गए इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने शूटिंग रेंज की संपूर्ण व्यवस्था का गहन अवलोकन किया।परिसर की दयनीय स्थिति, बुनियादी सुविधाओं के अभाव तथा खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की कमी को देखकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि 'राज्य की खेल प्रतिभाओं के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। '10, 25 और 50 मीटर रेंज का लिया जायजा मुख्यमंत्री ने 10 मीटर, 25 मीटर एवं 50 मीटर शूटिंग रेंज का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने शूटिंग

उपकरणों की स्थिति, खिलाड़ियों के अभ्यास की व्यवस्था, सुरक्षा मानकों तथा समस्त परिसर के रख-रखाव के विषय में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। अनेक स्थानों पर व्यवस्था असंतोषजनक पाए जाने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अविलंब सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। इस निरीक्षण के दौरान उनके साथ खेल एवं पर्यटन मंत्री श्री सुदिव्य कुमार, मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार, खेल विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार तथा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच देना सरकार की प्राथमिकता –निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड खेल प्रतिभाओं की भूमि है। यहां के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम गौरवान्वित किया है। अतः सरकार का यह दायित्व है कि उन्हें उच्च स्तरीय प्रशिक्षण एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शूटिंग रेंज को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने हेतु ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए तथा निर्धारित समय-सीमा में सभी आवश्यक कार्य पूर्ण किए जाएं।

ग्रामीण खिलाड़ियों को भी मिलेगा समान अवसर –मुख्यमंत्री ने कहा कि सुविधाएं केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी समुचित प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध कराने हेतु विशेष योजना बनाई जाए। उन्होंने कहा कि खेल केवल पदक प्राप्त करने का साधन नहीं है, अपितु यह युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व निर्माण में भी सहायक है। राज्य सरकार खेलों के समग्र विकास हेतु निरंतर प्रयासरत है।

आधुनिक उपकरण एवं सुरक्षा पर बल – मुख्यमंत्री ने शूटिंग रेंज में उपलब्ध उपकरणों की स्थिति का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिया कि उपकरणों का नियमित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए, जिससे खिलाड़ियों को अभ्यास में कोई कठिनाई न हो। साथ ही फायर एक्सटिंग्विशर एवं फायर हाइड्रेंट की व्यवस्था की जांच की तथा आपातकालीन स्थिति से निपटने हेतु समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए। परिसर में सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के भी निर्देश दिए गए।

खिलाड़ियों से संवाद, स्वयं भी साधा निशाना –मुख्यमंत्री ने रेंज में अभ्यासरत खिलाड़ियों से वार्तालाप कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को जाना। उन्होंने प्रशिक्षण, उपकरणों एवं सुविधाओं के संबंध में खिलाड़ियों से प्रत्यक्ष फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने स्वयं भी शूटिंग राइफल उठाकर निशाना लगाया तथा तकनीकी व्यवस्था को निकट से समझा।समयबद्ध कार्ययोजना बनाने का निर्देश निरीक्षण के अंत में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को शूटिंग रेंज के समग्र विकास हेतु विस्तृत एवं समयबद्ध कार्ययोजना प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक सुविधाओं का आधुनिकीकरण किया जाए, जिससे झारखंड के खिलाड़ी राष्ट्रीय ही नहीं, अपितु अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी भी यहीं से कर सकें।

संक्षिप्त समाचार

हजारीबाग में जिला स्तरीय 65वीं सुब्रतो कप संपन्न, अब प्रमंडल स्तरीय प्रतियोगिता की तैयारी

हजारीबाग, एजेंसी। झारखंड के हजारीबाग में शिक्षा विभाग की ओर से 65वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता रविवार यानी पांच जुलाई को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इसमें सबसे पहले प्रखंड स्तर पर प्रतियोगिता हुई। सदर, दारू, टाटीझरिया, इचाक, विष्णुगढ़, पदमा, बरही, बड़कागांव, केरेडारी, कटकमदाग, कटकमसांडी, बरकट्ठा, चौपारण, चलकुसा डाडी और चुरचू सभी 16 प्रखंडों के प्रथम विजेता जिला स्तर के प्रतियोगिता में शामिल हुए हैं। जिला स्तर के प्रतियोगिता में एक-एक विजेता राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए हैं। इसमें अंडर-15 बालक वर्ग से एक और अंडर-17 बालक- बालिका वर्ग के एक-एक विजेता शामिल हैं।उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल स्तरीय 65वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 हजारीबाग में होगी। इस निर्णय के बाद शिक्षा विभाग ने तैयारी शुरू की है। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद तैयारी को अंतिम रूप दिया है। प्रतियोगिता में हजारीबाग सहित रामगढ़, चतरा, बोकारो, गिरिडीह, धनबाद और कोडरमा के प्रतिभागियों को ठहरने सहित उनका नास्ता खाना और अन्य जरूरी चीजों व्यवस्था की की गई है। बालक वर्ग कर्जन ग्राउंड में खेल का प्रदर्शन करेंगे। वहीं, बालिका वर्ग के लिए संत कोलंबस कॉलेज मैदान को चुना गया है। प्रतियोगिता को बेहतर ढंग से संचालित सहित सभी तरह की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शिक्षा कर्मी और खेल शिक्षकों को जिम्मेवारी दी गई है। डीईओ कुमारी नीलम ने कहा पहले प्रखंड फिर जिला स्तर पर 65वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न करा लिया गया है। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल स्तरीय 65वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता हजारीबाग में होगा। तिथि की घोषणा नहीं हुई है। प्रतियोगिता की मेजबानी करने को लेकर हजारीबाग तैयार है।

रांची समेत आठ जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट, 24 घंटे में गिरेगा पारा

रांची, एजेंसी। बंगाल की उत्तर-पश्चिम खाड़ी और उससे सटे उत्तर ओडिशा-पश्चिम बंगाल तट पर बना गहरा निम्न दबाव (डिप्रेशन) पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ रहा है। इसका असर झारखंड पर दिख रहा है। इसके असर से राज्य के करीब-करीब सभी जिलों में रविवार को रुक-रुक कर बारिश होती रही। इसके प्रभाव से झारखंड में अगले कई दिनों तक मॉनसून सक्रिय रहेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश, मेघ गर्जन और कई जिलों में भारी वर्षों की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे के दौरान अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। इसके बाद चार दिनों तक तापमान में विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। 6 जुलाई को गुमला, रांची, लोहरदगा, लातेहार, गढ़वा, पलामू, चतरा और हजारीबाग में भारी बारिश हो सकती है। वहीं 7 से 9 जुलाई तक संताल परगना और राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में भी कहीं-कहीं भारी बारिश के आसार हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान झारखंड के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गयी। जगन्नाथपुर (पश्चिमी सिंहभूम) में सर्वाधिक 50 ।4 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गयी। इसके अलावा हटगम्हरिया में 32 ।6 मिमी, गुड़ाबांधा में 27 ।2 मिमी, मझगांव में 25 ।4 मिमी और रांची (एयरपोर्ट) में 12 ।4 मिमी वर्षा हुई।

चाकुलिया में गजराज का आतंक, तीन दिन से लगातार मचा रहा उत्पात

चाकुलिया, एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया मटिहाना सड़क पर चौठिया के पास स्थित श्री राज उद्योग राइस मिल में रविवार की शाम फिर से एक जंगली हाथी घुस गया। पिछले 3 दिनों से लगातार जंगली हाथी श्री राज उद्योग में घुसकर आतंक मचा रहे हैं। रविवार को घूसा जंगली हाथी ने राइस मिल में रखें भूसा और धान को बोरे से निकाल कर खाया और बर्बाद भी किया। लगभग 1 घंटे तक हाथी राइस मिल परिसर में ही जमा रहा। इस दौरान हाथी देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई। हाथी के घुस जाने के कारण राइस मिल में कार्यरत मजदूर काफी भयभीत रहे। मिल परिसर में ट्रक पर चावल लोडिंग का काम चल रहा था। चालक और मजदूर दोनों हाथी देखकर वाहन छोड़ भाग निकले। लगभग 1 घंटे के बाद जंगली हाथी मिल के पिछले हिस्से की टूटी हुई दीवार पर लगी टीन को हटाकर जंगल की ओर चला गया। आए दिन श्री राज उद्योग राइस मिल में हाथी घुसने से मिल मालिक सुभाष लोधा काफी परेशान है। उन्होंने कहा कि जंगली हाथी के कारण उनका व्यवसाय बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। काफी प्रयासों के बाद भी उन्हें जंगली हाथी की समस्या से मुक्ति नहीं मिल पा रही है।शनिवार की रात 22 जंगली हाथियों का झुंड रेलवे लाइन के दोनों छोर पर भ्रमण करते दिखे। एक ही रात में जंगली हाथियों के झुंड ने दो बार रेल की पटरी को पार किया। इससे बड़ी घटना टल गई। चाकुलिया स्थित रेलवे लाइन हावड़ा मुंबई में लाइन के तौर पर जानी जाती है। रात भर चाकुलिया से होते हुए कई एक्सप्रेस ट्रेनें और मालगाड़ियां गुजरती है।

हाईकोर्ट ने शिव शंकर शर्मा की रिव्यू याचिका खारिज की,

50 हजार का जुर्माना बरकरार

अदालत ने कहा कि रिव्यू याचिका में उठाए गए किसी भी आधार से यह साबित नहीं होता कि मूल फैसले में कोई स्पष्ट कानूनी त्रुटि हुई थी

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने जनहित याचिकाकर्ता शिव शंकर शर्मा को बड़ा झटका देते हुए उनकी सिविल रिव्यू याचिका खारिज कर दी है। मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने स्पष्ट कहा कि याचिकाकर्ता अपनी रिव्यू याचिका में ऐसा कोई तथ्य या कानूनी त्रुटि नहीं दिखा सके, जिसके आधार पर 9 मई 2025 को पारित फैसले की समीक्षा की जा सके। अदालत ने पूर्व में लगाए गए 50 हजार रुपये के जुर्माने को भी बरकरार रखा।

शिव शंकर शर्मा ने हाईकोर्ट के उस फैसले की समीक्षा की मांग की थी, जिसमें उनकी जनहित याचिका (पीआईएल) को न्यायालय की प्रक्रिया का दुरुपयोग बताते हुए खारिज कर दिया गया था। उन्होंने विशेष रूप से फैसले के पैरा 32 और 36 पर आपत्ति जताई थी, जहां अदालत ने उनकी विश्वसनीयता (क्रेडेंशियल्स) पर सवाल उठाए थे और कहा था कि याचिका दुर्भावनापूर्ण मंशा से दायर की गई थी। साथ ही उन पर लगाए गए 50 हजार रुपये के जुर्माने को भी हटाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता ने तर्क दिया कि जनहित याचिका दायर होने के शुरुआती चरण में ही याचिकाकर्ता की पात्रता और विश्वसनीयता की जांच हो चुकी थी। इसलिए कई वर्षों तक सुनवाई चलने के बाद दोबारा उनकी साख पर सवाल उठाना उचित नहीं है। उनका कहना था कि याचिका में आवश्यक तथ्यों का उल्लेख किया गया था और अदालत को उनकी मंशा पर संदेह नहीं करना चाहिए था।

खंडपीठ ने इन दलीलों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि रिव्यू याचिका में उठाए गए किसी भी आधार से यह साबित नहीं होता कि मूल फैसले में कोई स्पष्ट कानूनी त्रुटि हुई थी। अदालत ने यह भी पाया कि मूल जनहित याचिका में याचिकाकर्ता ने अपनी विश्वसनीयता साबित करने के लिए पर्याप्त तथ्य प्रस्तुत नहीं किए थे। केवल यह कहना कि उनका कोई निजी हित नहीं है, किसी व्यक्ति को स्वतः जनहित याचिका दायर करने का अधिकार नहीं देता।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के वर्ष 2022 के उसी मामले का उल्लेख किया, जिसमें शिव शंकर शर्मा की ओर से दायर एक अन्य जनहित याचिका पर भी सवाल उठाए गए थे। सर्वोच्च न्यायालय ने तब कहा था कि याचिकाकर्ता की लोकस स्टैंडी संदिग्ध है और उन्होंने न्यायालय का दरवाजा साफ नीयत से नहीं खटखटाया। हाईकोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी वर्तमान मामले में भी प्रासंगिक है और इससे यह स्पष्ट होता है कि याचिकाकर्ता पहले भी न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग कर चुके हैं।

अदालत ने कहा कि जब मूल फैसले में किसी प्रकार की त्रुटि नहीं पाई गई, तो 50 हजार रुपये के जुर्माने को हटाने का भी कोई आधार नहीं बनता। कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि याचिकाकर्ता ने जुर्माने की राशि समय पर जमा नहीं की और रिव्यू याचिका लंबित रहने का लाभ उठाकर भुगतान टालते रहे। इसे भी अदालत ने न्यायिक प्रक्रिया के प्रति निष्पक्ष आचरण के विपरीत माना।

हाईकोर्ट ने कहा कि जनहित याचिका एक महत्वपूर्ण संवैधानिक व्यवस्था है, लेकिन इसका उपयोग निजी स्वार्थ, दबाव बनाने या अधिकारियों को ब्लैकमेल करने के लिए नहीं किया जा सकता। ऐसे मामलों पर सख्ती जरूरी है ताकि जनहित याचिकाओं की विश्वसनीयता बनी रहे। इन सभी तथ्यों को देखते हुए अदालत ने रिव्यू याचिका को पूरी तरह खारिज कर दिया और किसी अतिरिक्त लागत का आदेश नहीं दिया।

रामगढ़ में गैंगस्टर प्रिंस खान के अपराधियों की पुलिस से मुठभेड़, 1 कुख्यात को लगी गोली

भरकुंडा, एजेंसी। रामगढ़ जिले के भुरकुंडा ओपी क्षेत्र के रिवर साइड स्थित बंद केंद्रीय विद्यालय के पास सोमवार को पुलिस और कुख्यात प्रिंस खान गिरोह के एक अपराधी के बीच मुठभेड़ हो गयी। मुठभेड़ में अपराधी शिवराज राम उर्फ शिवा को पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए रामगढ़ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ स्थल से दो पिस्टल, 59 जिंदा कारतूस व दो मोबाइल फोन बरामद किया गया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, शिवराज राम उर्फ शिवा प्रिंस खान गिरोह से जुड़ा हुआ है। पुलिस को उसकी लंबे समय से तलाश थी। धनबाद और रांची पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त अपराधी के द्वारा रांची की एक ज्वैलरी दुकान में घटना को अंजाम देने की तैयारी की जा रही है।

इसी जानकारी के बाद रांची और धनबाद पुलिस भुरकुंडा थाना क्षेत्र के सयाल शिवा जी रोड पहुंची और अपराधी शिवा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में शिवा ने पुलिस को बताया कि भुरकुंडा के बंद केंद्रीय विद्यालय के पास छिपाकर हथियार रखा गया है। पुलिस उसे लेकर विद्यालय के पास पहुंची। लेकिन यहां पहुंचते ही शिवा ने पिस्टल उठाकर पुलिस पर गोली चला दी। जिसमें कई पुलिस वाले बाल-बाल बच गये। पुलिस की जबाबी फायरिंग में शिवा को गोली लगी है।

आईएसआईएस-अलकायदा से जुड़े 61 संदिग्ध एटीएस के रडार पर, जांच और कार्रवाई की तैयारी तेज

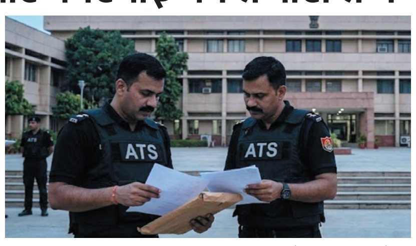

रांची, एजेंसी। झारखंड में आतंकी गतिविधियों पर नकेल कसने की दिशा में एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने पहल शुरू की है। एटीएस ने आइएसआइएस और अलकायदा से जुड़े 61 संदिग्धों और आरोपियों को चिह्नित किया है। इनमें 12 का संबंध आइएसआइएस और 49 का संबंध अलकायदा से है। इनके विरुद्ध कार्रवाई की तैयारी है। जानकारी के अनुसार एटीएस ने इस संबंध में एडीजी (अभियान) और डीजी (अभियान) और सभी जिलों के एसपी को पत्र भेजा था। एटीएस द्वारा भेजे गये पत्र में कहा गया है कि विदेश मंत्रालय ने तीन अप्रैल 2026 को राज्यों को एक पत्र भेजकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के निर्णय की जानकारी दी थी। इसके अनुसार गत 26 मार्च को परिषद ने आइएसआइएस व अलकायदा से जुड़े व्यक्तियों एवं संस्थाओं के खिलाफ प्रतिबंधात्मक प्रावधान लागू करने का निर्णय लिया है।

इसके तहत संपत्ति जब्त करने, यात्रा पर प्रतिबंध लगाने और हथियारों से संबंधित रोक जैसे प्रावधान शामिल हैं। एटीएस के अनुसार, झारखंड में 61 ऐसे लोगों की पहचान की गयी है, जिनका नाम अथवा आइएसआइएस अलकायदा से जुड़े मामलों में संदिग्ध हैं। इसी आधार पर जिला पुलिस को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, आनेवाले दिनों में चिन्हित लोगों की वित्तीय गतिविधियों, बैंक खातों और संपत्तियों की जांच की जा सकती है।

कारी तैयब, मुफ्ती सोहैब, इम्तियाज खलीफा, मो सरवर आलम, फैजान अहमद, तौफीक अहमद, अहमद मसूद, मौलाना, मो अब्दुल शामी, राजू उर्फ नसीम, सैयद मो जिसान, नसीम अख्तर, अहमद मसूद अकरम, मौलाना कलीमुद्दीन, मो हुजैफा, बिलाल तबिस, असद, आदिल, तबारक अंसारी, अल्ताफ अंसारी, जैनुल अंसारी, अरशद अंसारी, इनामुल अंसारी, हसन अंसारी, मो। रिजवान बाबर, मतिउर रहमान, मुफ्ती रहमतउल्लाह, सहबाज अंसारी, उमर फारूकी, मुदब्बिर परवेज, कारी इरफान अंसारी, अनवर अंसारी, जीसान अलतमस, मो तौहीद अंसारी, शकील अहमद, हकीम अंसारी, फिरोज अंसारी, युनूस अंसारी, वसीम अंसारी, जेबा, मो सरफराज आलम और इश्तियाक शामिल हैं।

पुलिस मुठभेड़ में प्रिंस खान गैंग के गुर्गे को लगी गोली, हथियारों का जखीरा बरामद

रामगढ़, एजेंसी। जिले के भुरकुंडा थाना क्षेत्र स्थित पुराना सेंट्रल स्कूल के पास पुलिस और अपराधी के बीच हुई मुठभेड़ में एक आरोपी घायल हो गया। घायल आरोपियों की पहचान शिवराज राम उर्फ शिवा डोम के रूप में हुई है। पुलिस ने हिरासत में लेकर इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया है।

पूरे मामले को लेकर रामगढ़ पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत ने जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि रांची, धनबाद और रामगढ़ पुलिस को इनपुट मिला था कि गिरफ्तार अपराधकर्मी शिवा रांची में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए रामगढ़ में छिपा हुआ है। जिसके बाद संयुक्त छापेमारी कर उसे हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ में उसने चार हथियार खरीदने की बात कही है, जिसमें दो हथियार किसी दोस्त और दो हथियार छिपाकर रखा है, जिसे बरामद करवाने की बात कही।

एसपी ने बताया कि हथियार बरामदगी के दौरान आरोपी शिवा द्वारा जान से मारने की नियत से पुलिस पर फायरिंग की। पुलिस ने खुद के बचाव में फायरिंग की, जिसमें शिवराज के दाहिने पैर में गोली लग गई। उसे इलाज के लिए भुरकुंडा सीसीएल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

एसपी ने बताया कि आरोपी शिवा पहले राहुल दुबे और श्रीवास्तव गिरोह के लिए काम करता था। उसपर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। हाल में वह प्रिंस खान गिरोह के संपर्क में भी था। वह बीते 14 मई को जेल से छूट कर बाहर आया था।

पुलिस के अनुसार शिवराज की निशानदेही पर कुज्जू थाना क्षेत्र के तोपा इलाके में छापेमारी की गई। वहां से आरिज आलम के पास से दो पिस्टल और 21 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। वहीं, शिवराज के कब्जे से दो पिस्टल और 59 जिंदा कारतूस बरामद हुए। इस तरह पूरी कार्रवाई में पुलिस ने चार पिस्टल और कुल 80 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। पुलिस सभी पहलूओं की जांच कर रही है।

फिलहार पुलिस अब बरामद हथियारों की जांच कर रही है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि इनका इस्तेमाल किन घटनाओं में हुआ है। साथ ही इनके पीछे हथियार आपूर्ति का नेटवर्क कौन संचालित कर रहा था। मामले में अन्य संदिग्धों की तलाश में भी पुलिस की छापेमारी जारी है।

कोर्ट के आदेश के बाद 70 साल पुराने स्कूल पर लगा ताला, 300 बच्चों की पढ़ाई पर संकट !

देवघर, एजेंसी। जिला के सोनाराठाड़ी प्रखंड अंतर्गत जरका चंदना गांव स्थित करीब 70 वर्षों से संचालित राजकीयकृत मध्य विद्यालय रविवार को अचानक चर्चा का विषय बन गया। जब जमीन विवाद से जुड़े एक पुराने मामले में न्यायालय के आदेश के बाद विद्यालय परिसर में ताला लगा दिया गया।

इस घटना के बाद न सिर्फ विद्यालय का संचालन प्रभावित हुआ, बल्कि यहां अध्ययनरत करीब 300 विद्यार्थियों के भविष्य और उनकी नियमित पढ़ाई को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेश कुमार ने बताया कि विद्यालय और ग्रामीणों के बीच इस भूमि को लेकर लगभग दो दशकों से न्यायालय में विवाद चल रहा था। लंबे समय तक चली सुनवाई के बाद न्यायालय ने ग्रामीणों के पक्ष में फैसला सुनाया। जिसके अनुपालन में रविवार को विद्यालय भवन में ताला लगा दिया गया। उन्होंने कहा कि विद्यालय बंद होने के बाद सबसे बड़ी चिंता यह है कि सोमवार से बच्चों की पढ़ाई किस प्रकार संचालित होगी। इस संबंध में उन्होंने तत्काल उच्च अधिकारियों को पूरे मामले से अवगत करा दिया है।

वहीं, पूरे प्रकरण पर जिला शिक्षा अधीक्षक मधुकर कुमार ने स्वीकार किया कि पूर्व में विभागीय स्तर पर हुई लापरवाही के कारण शिक्षा विभाग को न्यायालय में हार का सामना करना पड़ा। उनका कहना है कि यदि समय रहते विभाग ने आवश्यक तथ्यों और पक्षों को प्रभावी ढंग से न्यायालय के समक्ष रखा होता तो संभव है कि स्थिति अलग होती।हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि विभाग न्यायालय के आदेश का पूर्ण सम्मान करते हुए विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने में जुट गया है। जिला शिक्षा अधीक्षक ने बताया कि फिलहाल विद्यालय के समीप स्थित दूसरे स्कूल भवन में बच्चों की पढ़ाई की अस्थायी व्यवस्था कर दी गई है, ताकि शिक्षण कार्य प्रभावित न हो। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

बता दें कि इस विद्यालय में कक्षा एक से आठवीं तक की पढ़ाई होती है और यहां लगभग 300 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं। ऐसे में विद्यालय पर ताला लगने की घटना ने अभिभावकों, विद्यार्थियों और शिक्षकों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह विद्यालय पिछले सात दशकों से गांव की शिक्षा का केंद्र रहा है। क्षेत्र के अनेक लोगों ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा इसी विद्यालय से प्राप्त की है। ऐसे में विद्यालय पर ताला लगना केवल एक प्रशासनिक या कानूनी घटना नहीं, बल्कि गांव की भावनाओं और वर्षों पुरानी यादों से भी जुड़ा विषय बन गया है।

रांची जिला शूटिंग चैंपियनशिपः प्रतियोगिता में अभिषेक ने स्वर्ण और रजत जीतकर किया डबल धमाका

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के खेलगांव स्थित टिकैत उमरांव शूटिंग रेंज में आयोजित तीसरी रांची जिला शूटिंग चैंपियनशिप रविवार को संपन्न हो गई। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में रांची जिला के 250 से अधिक निशानेबाजों ने विभिन्न वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता के समापन समारोह में आइजी प्रभात कुमार और आइजी अनूप बिरथरे ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं को सम्मानित किया।

इस चैंपियनशिप में अभिषेक वर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर स्टैंडिंग राइफल स्पर्धा में स्वर्ण और 50 मीटर राइफल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। बालिका वर्ग की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में मन्नत कुमारी टॉप स्कोरर रहीं और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं 10 मीटर एयर राइफल पुरुष वर्ग में कीरत सिंह और रौनक राज ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

अन्य स्पर्धाओं में 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल इवेंट में टेन एक्स राइफल क्लब के राज शेखर मंडल ने स्वर्ण, एकलव्य शूटिंग क्लब के हर्ष राज ने रजत तथा दिवनिमेश ने कांस्य पदक जीता। 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल इवेंट में जेएसएसपीएस के द्वेद नाथ शाहदेव ने स्वर्ण, टेन एक्स के राज शेखर ने रजत और प्रियांशु ने कांस्य पदक हासिल किया। समारोह में झारखंड राइफल शूटिंग एसोसिएशन के सचिव उत्तम चंद, रांची जिला राइफल एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय कुमार सहित कई खेल पदाधिकारी मौजूद रहे।इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के बीच खिलाड़ियों ने शूटिंग रेंज की बदहाल स्थिति पर भी गंभीर चिंता जताई।

रांची में झालसा की ओर से वर्कशॉप, कार्यक्रम में शामिल हुए जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद

रांची, एजेंसी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार में वित्तीय कौशल को बेहतर बनाने के उद्देश्य से झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा आज शनिवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। राजधानी के डोरंडा स्थित न्याय सदन के झालसा सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय-सह-कार्यकारी अध्यक्ष, झालसा, न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी, विशिष्ट अतिथि, न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय एवं गणमान्य लोगों के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय-सह-कार्यकारी अध्यक्ष, झालसा ने कहा कि किसी भी संस्था की प्रगति एवं जनविश्वास का आधार उसके वित्तीय संसाधनों का पारदर्शी, जवाबदेह एवं नियमसम्मत प्रबंधन है। उन्होंने कहा कि बजट निर्माण, व्यय एवं निधियों के उपयोग में दूरदर्शिता तथा सामान्य वित्तीय नियमों का अक्षरशः पालन किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिवों को संबोधित करते हुए कहा कि वे वित्तीय प्रबंधन की रीढ़ हैं तथा बजट तैयार करने, निधियों के समुचित उपयोग एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र समय पर उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति के बिना निधियों का अन्य मद में उपयोग नहीं किया जाना चाहिए तथा प्रत्येक व्यय का विधिवत अभिलेख एवं वाउचर सुरक्षित रखा जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद ने पैरा लीगल वॉलंटियर्स एवं मध्यस्थों को उनके मानदेय का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि समय पर भुगतान से उनका मनोबल बढ़ेगा और वे अधिक समर्पण के साथ कार्य कर सकेंगे। उन्होंने सचिवों से कार्यशाला को संवेदनात्मक बनाते हुए वित्तीय प्रबंधन से संबंधित सभी शंकाओं का विशेषज्ञों से समाधान प्राप्त करने का आह्वान किया, ताकि विधिक सेवा संस्थाओं की कार्यप्रणाली और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बन सके।

इस कार्यशाला को न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी ने संबोधित करते हुए कहा कि सार्वजनिक धन का उपयोग करने वाले प्रत्येक विभाग एवं संस्था के लिए वित्तीय अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि विधि शिक्षा के दौरान वित्तीय प्रबंधन एवं वित्तीय नियमों का पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं मिल पाता, जबकि न्यायिक एवं प्रशासनिक कार्यों के प्रभावी संचालन के लिए इनका ज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव बजट निर्माण, परियोजनाओं के क्रियान्वयन तथा वित्तीय व्यय के प्रमुख अधिकारी होते हैं इसलिए उनके लिए वित्तीय नियमों की समुचित जानकारी आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को वित्तीय प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी तथा विषय पर सार्थक विचार-विमर्श होगा।

इस अवसर पर उद्घाटन सत्र में झालसा न्यूजलेटर अप्रैल से जून 2026 का विमोचन किया गया एवं बिरसा कॉलेज, खूंटी के छात्रों को नालसा द्वारा उनके द्वारा तैयार किए गए रील को भारतवर्ष में सर्वोत्तम पुरस्कार प्रदान किए जाने पर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर स्वागत संबोधन के जरिए सदस्य सचिव, झालसा कुमारी रंजना अस्थाना ने अतिथियों का स्वागत किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन अभिषेक कुमार, उप निबंधक-सह-उप सचिव, झालसा ने किया। कार्यशाला के दौरान तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जो वित्तीय प्रबंधन के विभिन्न विषयों पर केंद्रित थे।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में निवेश को मिलेगा नया बूस्ट, दो नई औद्योगिक नीतियों का ड्राफ्ट जारी!

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार राज्य में औद्योगिक विकास को नई गति देने की तैयारी में जुट गई है। इसी दिशा में उद्योग विभाग ने झारखंड टेक्सटाइल, परिधान एवं फुटवियर नीति-2026 और झारखंड औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति -2026 का प्रारूप (ड्राफ्ट) सार्वजनिक कर दिया है। झारखंड सरकार चाहती है कि इन नीतियों को अंतिम रूप देने से पहले उद्योग जगत, विशेषज्ञों और आम लोगों की राय भी शामिल की जाए, ताकि इन्हें अधिक प्रभावी और व्यवहारिक बनाया जा सके। सरकार ने दोनों प्रस्तावित नीतियों के ड्राफ्ट को झारखंड सिंगल विंडो पोर्टल पर उपलब्ध कराया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नीति निर्माण की प्रक्रिया केवल सरकारी स्तर तक सीमित न रहे, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हितधारकों की भागीदारी भी हो। प्राप्त सुझावों और प्रतिक्रियाओं के आधार पर आवश्यक बदलाव करने के बाद इन नीतियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। सरकार का मानना है कि नई नीतियां झारखंड को निवेश के लिए अधिक अनुकूल राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। विशेष रूप से टेक्सटाइल, परिधान और फुटवियर उद्योगों के विस्तार के साथ-साथ अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी निवेश को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। नई औद्योगिक नीति का उद्देश्य रोजगार के अवसर बढ़ाने, विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करने और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देना है। इन नीतियों को लेकर 8 और 9 जुलाई 2026 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर का हितधारक परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में देशभर के उद्योगपति, टेक्सटाइल क्षेत्र के विशेषज्ञ, विनिर्माण उद्योग से जुड़े प्रतिनिधि और अर्थशास्त्री शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के दौरान प्रस्तावित नीतियों पर विस्तार से चर्चा होगी और विभिन्न पक्षों की राय ली जाएगी। 9 जुलाई को आयोजित विशेष फीडबैक सत्र की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। इस दौरान उद्योग जगत से प्राप्त सुझावों पर चर्चा होने के साथ-साथ निवेश बढ़ाने और औद्योगिक विकास को गति देने के लिए आवश्यक कदमों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। परामर्श कार्यक्रम के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की संभावना जताई जा रही है। यदि ये समझौते होते हैं तो राज्य में नए निवेश के रास्ते खुल सकते हैं और विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं को गति मिलने की उम्मीद है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि ड्राफ्ट नीतियों को सार्वजनिक करने का उद्देश्य नीति निर्माण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सहभागी बनाना है। विभिन्न वर्गों से प्राप्त सुझावों को शामिल करने के बाद ही इन नीतियों को कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। झारखंड सरकार के उद्योग विभाग का मानना है कि प्रस्तावित नीतियां राज्य को औद्योगिक रूप से अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद करेंगी। यदि इनका प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो झारखंड में निवेश बढ़ने, नए उद्योग स्थापित होने और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। सरकार का लक्ष्य झारखंड को औद्योगिक विकास के साथ आर्थिक रूप से भी अधिक आत्मनिर्भर राज्य के रूप में स्थापित करना है।

पांच दिन से रहस्यमयी ढंग से लापता हैं अधिकारी, उलझन में फंसी दो जिलों की पुलिस!

धनबाद/देवघर/चतरा, एजेंसी। देवघर जिला के जसीडीह एमपी माइनिंग एंड एनर्जी लिमिटेड के हेड-बिजनेस डेवलपमेंट आलोक कुमार वर्मा की गुमशुदगी अब एक रहस्यमयी कहानी बन गई है। पांच दिन बीत जाने के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिला है। इसमें चौंकाने वाली बात यह है कि उनकी कार चतरा जिला के लावालौंग थाना क्षेत्र में लावारिस हालत में मिली, जबकि मोबाइल लोकेशन देवघर के जसीडीह की मिली। इस बीच उन्होंने खुद अपने साला के खिलाफ अपहरण की शिकायत दर्ज कराई, तो दूसरी ओर अब उनकी पत्नी ने उन्हीं की गुमशुदगी का मामला दर्ज करा दिया है। इस मामले में प्रेम प्रसंग का एंगल भी सामने आने से पुलिस की जांच और उलझ गई है। धनबाद के सदर थाना क्षेत्र स्थित एलआईजी-35 हाउसिंग कॉलोनी निवासी आलोक कुमार वर्मा, जो जसीडीह स्थित एमपी माइनिंग एंड एनर्जी लिमिटेड में हेड-बिजनेस डेवलपमेंट के पद पर कार्यरत हैं, 1 जुलाई से लापता हैं। परिजनों के अनुसार, वह चतरा स्थित अपने ससुराल से लामटा मोड़ जाने की बात कहकर निकले थे लेकिन इसके बाद उनका कोई पता नहीं चला। इसी दिन चतरा के लावालौंग थाना क्षेत्र के जोगियाडीह-लीलाजन पुल के पास उनकी कार बरामद हुई। टेक्निकल सेल की जांच में उनकी लोकेशन जसीडीह मिली, जिसके बाद जानकारी सामने आई कि वह जसीडीह थाना भी पहुंचे थे। वहां उन्होंने अपने ब्रदर-इन-लॉ अमन प्रधान के खिलाफ अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी। उधर, रविवार को उनकी पत्नी श्वेता प्रधान ने लावालौंग थाना में पति की गुमशुदगी की नई प्राथमिकी दर्ज कराई है। अब चतरा और देवघर जिला की पुलिस अलग-अलग पहलुओं पर जांच कर रही है। हालांकि, आलोक वर्मा के परिजन पूरे मामले पर मीडिया से कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। चतरा के लावालौंग थाना प्रभारी चंदन कुमार का कहना है कि 1 जुलाई को अमन प्रधान ने अपने बहनोई आलोक वर्मा की गुमशुदगी की सूचना दी थी। उसी दिन आलोक जसीडीह थाना भी पहुंचे थे।

अदालती आदेश पर सील हुआ चांदना स्कूल,

छात्रों ने बीईईओ को घंटों बनाया बंधक

देवघर, एजेंसी। झारखंड के देवघर जिले के सोनारायठाढ़ी प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, चांदना में जमीन विवाद का असर अब बच्चों की पढ़ाई पर पड़ने लगा है। न्यायालय के आदेश पर रविवार को विद्यालय परिसर को सील कर दिया गया। सोमवार की सुबह जब छात्र-छात्राएं रोज की तरह स्कूल पहुंचे तो मुख्य गेट पर ताला लटका देखकर हैरान रह गए। स्कूल बंद मिलने से छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने विद्यालय के बाहर सड़क पर उतरकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों ने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा जल्द से जल्द विद्यालय खोलने की मांग की।

विद्यालय बंद होने की सूचना मिलते ही शिक्षा विभाग की ओर से प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (बीईईओ) अमिताभ झा को मौके पर भेजा गया। जैसे ही वे विद्यालय पहुंचे, वहां मौजूद आक्रोशित छात्रों और अभिभावकों ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने बीईईओ को काफी देर तक जाने नहीं दिया और उन्हें बंधक बनाकर रखा। इस दौरान छात्रों और अभिभावकों ने शिक्षा विभाग से तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की। स्थिति लगातार तनावपूर्ण बनी रही और मौके पर भारी भीड़ जुट गई। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि जमीन विवाद में

बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और इसका समाधान प्रशासन को तत्काल निकालना चाहिए।

बीईईओ को घेरने की सूचना मिलते ही सोनारायठाढ़ी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी रोहित दांगी पुलिस बल के साथ विद्यालय पहुंचे और काफी समझाने-बुझाने के बाद बीईईओ को भीड़ से सुरक्षित बाहर निकाला। मौके पर सोनारायठाढ़ी की बीडीओ नीलम कुमारी भी मौजूद रहीं। प्रशासनिक अधिकारियों ने छात्रों और अभिभावकों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। पुलिस और प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हुई। हालांकि इस दौरान कुछ समय के लिए विद्यालय के सामने सड़क पर जाम की स्थिति भी बनी रही, जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

बीईईओ अमिताभ झा ने बताया कि न्यायालय के आदेश के कारण विद्यालय को सील किया गया है, जिससे लगभग 250 विद्यार्थियों की नियमित पढ़ाई प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जानकारी विभाग के वरीय अधिकारियों को दे दी गई है। विभाग का प्रयास है कि बच्चों की शिक्षा बाधित न हो और जल्द से जल्द वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग निकटवर्ती विद्यालय से चांदना स्कूल के विद्यार्थियों को टैग करने की प्रक्रिया शुरू कर रहा है। इससे विद्यार्थियों की कक्षाएं नियमित रूप से संचालित की जा सकेंगी और उनका शैक्षणिक सत्र प्रभावित नहीं होगा। जिला शिक्षा अधीक्षक मधुकर कुमार ने बताया कि चांदना विद्यालय के छात्रों को मंगलवार तक नजदीकी विद्यालय से टैग कर दिया जाएगा। इसके बाद सभी छात्र उसी विद्यालय में नियमित रूप से पढ़ाई कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि विभाग बच्चों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है और किसी भी कीमत पर उनकी शिक्षा बाधित नहीं होने दी जाएगी।

जिला शिक्षा अधीक्षक ने यह भी बताया कि न्यायालय के आदेश के संबंध में कानूनी विशेषज्ञों से राय ली जा रही है। यदि आवश्यक हुआ तो आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय की उपयुक्त पीठ में अपील दायर की जाएगी। विभाग का उद्देश्य विद्यालय को दोबारा संचालित कराना और छात्रों को उनके पुराने विद्यालय में पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध कराना है। फिलहाल शिक्षा विभाग वैकल्पिक व्यवस्था के जरिए विद्यार्थियों की पढ़ाई जारी रखने की तैयारी में जुटा है, जबकि प्रशासन कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जमीन विवाद के समाधान की दिशा में भी आवश्यक कदम उठा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि किसी कानूनी विवाद का सबसे बड़ा असर आखिरकार उन बच्चों पर पड़ता है, जिनका उससे कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता।

तमाड़ में एनजीटी की रोक के बावजूद अवैध बालू परिवहन की कोशिश, चार हाइवा जब्त

रांची, एजेंसी। तमाड़ थाना क्षेत्र में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की रोक के बावजूद चोरी-छिपे अवैध बालू परिवहन की कोशिश की जा रही थी जिसको पुलिस ने विफल कर दिया। शनिवार सुबह करीब 6:30 बजे डीएसपी ओम प्रकाश के नेतृत्व में तमाड़ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध बालू से लदे चार हाइवा जब्त किए। पुलिस टीम को देखते ही सभी चालक वाहन सड़क पर छोड़कर मौके से फरार हो गए। पुलिस चारों वाहनों को जब्त कर तमाड़ थाना ले आई और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस को शनिवार तड़के गुप्त सूचना मिली थी कि सरजमडीह की ओर से भुइयांडीह की दिशा में अवैध बालू से लदे हाइवा गुजरने वाले हैं। सूचना मिलते ही डीएसपी ओम प्रकाश के निर्देश पर तमाड़ थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने संभावित मार्ग पर घेराबंदी की। कुछ देर बाद चार हाइवा वहां पहुंचे। पुलिस वाहन को देखते ही सभी चालक अपने-अपने वाहन छोड़कर फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने चारों वाहनों को अपने कब्जे में लेकर थाना पहुंचाया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पाया कि जब्त किए गए चार हाइवा में से तीन वाहनों के रजिस्ट्रेशन नंबर स्पष्ट रूप से अंकित नहीं थे और मिटे हुए पाए गए। केवल एक हाइवा पर ही रजिस्ट्रेशन नंबर स्पष्ट दिखाई दिया। पुलिस अब वाहनों की पहचान, उनके वास्तविक मालिकों और दस्तावेजों की जांच कर रही है।

श्रावणी मेला 2026: सिर्फ 5 मिनट में होंगे बाबा के दर्शन, कूपन और आम कतारों के लिए नया सिस्टम तैयार

देवघर, एजेंसी। विश्वप्रसिद्ध राजकीय श्रावणी मेला-2026 के शुरू होने से पहले बाबा बैद्यनाथ मंदिर आने वाले देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं के लिए एक बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है। बाबा मंदिर परिसर में कूपन कतार (वीआईपी/शीघ्रादर्शनम) और आम कतार को अलग-अलग रास्तों से संचालित करने के उद्देश्य से बन रहे नये ओवरब्रिज का निर्माण कार्य शत-प्रतिशत पूरा हो गया है। सब कुछ योजना के मुताबिक रहा, तो तकनीकी जांच की औपचारिकता पूरी होते ही आगामी 15 जुलाई 2026 से इस बेहद हाईटेक और नई व्यवस्था के तहत भक्तों को जलार्पण कराया जाएगा।

बाबा मंदिर प्रभारी सह देवघर एसडीएम रवि कुमार ने इस नई व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि अब तक मंदिर के टी-जंक्शन से कूपन कतार और सामान्य कतार को एक साथ मिलाकर गर्भगृह की ओर ले जाया जाता था। रास्ता पतला होने के कारण जब दोनों लाइनें एक जगह मिलती थीं, तो भीड़ जाम हो जाती थी और भक्तों को घंटों बेकार खड़े रहना पड़ता था। विशेष रूप से कूपन (शीघ्रादर्शनम टिकट) लेकर आने वाले भक्तों की ओर से इस जाम को लेकर कई बार मंदिर प्रशासन को लिखित शिकायतें भी मिली थीं। इसी समस्या के

स्थायी समाधान और भीड़ का दबाव कम करने के लिए जिला प्रशासन ने युद्ध स्तर पर इस नये ओवरब्रिज का निर्माण करवाया है।

एसडीएम ने नई व्यवस्था का रूट मैप समझाते हुए बताया कि अब कूपन लेकर आने वाले श्रद्धालु और सामान्य कतार के श्रद्धालु अलग-अलग रास्तों और ओवरब्रिज के माध्यम से आगे बढ़ेंगे। दोनों कतारों का मिलन केवल बाबा मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार के समीप होगा। इस वजह से कतारें बिना रुके सुचारू रूप से लगातार आगे बढ़ती रहेंगी। इस नई व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि श्रद्धालु मात्र 2 से 5 मिनट के भीतर बाबा बैद्यनाथ के दर्शन और पूजा-अर्चना कर गर्भगृह से बाहर निकल सकेंगे। एसडीएम रवि कुमार ने स्पष्ट किया कि ओवरब्रिज का ढांचागत काम पूरा हो चुका है, लेकिन सुरक्षा मानकों को देखते हुए अगले एक सप्ताह तक इसकी बारीकी से तकनीकी जांच कराई जाएगी।

जमशेदपुर में चापड़ के बल पर लूट का प्रयास नाकाम:लोगों ने दो बदमाशों को दबोचा

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के बर्मामाइंस थाना क्षेत्र में रविवार रात चापड़ के बल पर लूट का प्रयास किया गया, जिसे स्थानीय लोगों की सतर्कता ने नाकाम कर दिया। घटना उस समय हुई जब स्कूटी पर सवार दो युवक बारीडीह निवासी राजेश कुमार को निशाना बनाकर पहुंचे। आरोपियों ने अचानक चापड़ से हमला कर उनसे नकदी छीन ली और इसके बाद उनका मोबाइल लूटने की कोशिश करने लगे।

हालांकि राजेश ने विरोध करते हुए शोर मचाया, जिससे आसपास के लोग सतर्क हो गए। देखते ही देखते कई लोग मौके पर जमा हो गए और दोनों बदमाशों को पकड़ लिया। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

घटना की जानकारी मिलते ही बर्मामाइंस थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किया गया चापड़ बरामद कर लिया है, साथ ही आरोपियों की स्कूटी को भी जब्त कर थाने ले जाया गया है। दोनों आरोपियों से फिलहाल पूछताछ की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे किसी गिरोह से जुड़े हैं या नहीं।

इससे पहले भी इस तरह की वारदातों में उनकी संलिप्तता रही है या नहीं। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड को भी खंगाला जा रहा है। प्रारंभिक जांच में यह भी देखा जा रहा है कि आरोपियों ने इलाके की रेकी कर वारदात को अंजाम दिया या यह अचानक की गई घटना थी।

पीड़ित राजेश कुमार ने पुलिस को बताया कि वह सड़क किनारे लघुशंका कर रहे थे, तभी अचानक दोनों आरोपी पहुंचे और हमला कर दिया। इस घटना ने एक बार फिर शहर में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। हाल के दिनों में जमशेदपुर में लूट, छिनतई, फायरिंग और चापड़बाजी की घटनाओं में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है।

बीते शनिवार को सिदगोड़ा में जन्मदिन समारोह से लौट रहे भाई-बहन से स्नैचिंग की घटना हुई थी, जबकि शुक्रवार को कदमा के रामजनम नगर में एक युवक को गोली मार दी गई थी। इससे पहले टेल्को क्षेत्र में भी चापड़ के बल पर लूट की वारदात सामने आई थी। लगातार हो रही इन घटनाओं के कारण शहर की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

दुबई, मस्कट, सऊदी व लंदन में काम करने के बाद गोडविन लकड़ा और प्रीति साहू आज हैं सफल उद्यमी

रांची, एजेंसी। विदेशों में आकर्षक नौकरी छोड़ रांची लौटे दो उद्यमियों ने बेकरी कारोबार में अपनी अलग पहचान बनाई है। दुबई, मस्कट, सऊदी अरब और लंदन में काम करने के बाद गोडविन लकड़ा और प्रीति साहू ने नौकरी की बजाय अपना व्यवसाय शुरू करने का फैसला लिया। शुरुआती दौर में पूंजी की कमी और बैंक से ऋण नहीं मिलने जैसी चुनौतियां आईं, लेकिन दोनों ने हार नहीं मानी।

आज इनके बेकरी आउटलेट, क्लाउड किचन और उत्पादन इकाइयों में दर्जनों लोगों को रोजगार मिल रहा है। दोनों युवाओं, खासकर महिलाओं को बेकिंग का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार से भी जोड़ रहे हैं। उनका कहना है कि रांची में बेकरी उद्योग की अपार संभावनाएं हैं। बढ़ती मांग के कारण यह क्षेत्र तेजी से विस्तार कर रहा है। आज दोनों उद्यमी अपने कारोबार से सालाना लाखों रुपए का टर्नओवर हासिल कर रहे हैं।

डिबडीह निवासी गोडविन लकड़ा ने विदेशों के फाइव स्टार होटलों की नौकरी छोड़कर रांची में बेकरी कारोबार की शुरुआत की और आज उनका उद्यम कई लोगों को रोजगार दे रहा है। होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई के बाद उन्होंने दुबई, मस्कट और सऊदी अरब में बेकरी शेफ के रूप में काम किया। वर्ष 2018 में रांची लौटने के बाद उन्होंने 2019 में अपनी बचत से घर से ही बेकरी का काम शुरू किया। शुरुआती दिनों में बैंक से ऋण नहीं मिला और पूंजी की कमी भी रही, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। वर्ष 2023 में व्यवसाय विस्तार के लिए ऋण लिया। आज उनके तीन बेकरी आउटलेट, एक फैक्ट्री और 15 सदस्यीय टीम है। वे बताते हैं कि क्रिसमस, शादी और अन्य आयोजनों में केक की मांग सबसे अधिक रहती है, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार की अच्छी संभावनाएं हैं। गोडविन अब तक 80 से 100 लोगों, विशेषकर महिलाओं, को बेकिंग का प्रशिक्षण देकर उन्हें होम बेकिंग और स्वरोजगार से जोड़ चुके हैं।

बोकारो की प्रीति साहू कभी लंदन में माइक्रोबायोलॉजिस्ट के रूप में कार्यरत थीं, लेकिन वीजा एक्सटेंशन नहीं मिलने के कारण वर्ष 2012 में उन्हें पति के साथ भारत लौटना पड़ा। रांची आने के बाद उन्होंने वर्ष 2014 में अपना बेकरी व्यवसाय शुरू किया। वर्ष 2017 में अरगोड़ा में पहला बेकरी आउटलेट खोला। आज उनके तीन बेकरी शॉप और 13 क्लाउड किचन चल रहे हैं, जहां करीब 25 लोगों की टीम काम कर रही है। कारोबार के विस्तार के लिए उन्होंने बैंक से ऋण भी लिया। प्रीति बताती हैं कि उनका पारिवारिक माहौल व्यवसाय से जुड़ा रहा, इसलिए उन्होंने भी इसी क्षेत्र में आगे बढ़ने का निर्णय लिया। वे क्लाउड किचन से जुड़ी महिलाओं के लिए ऑनलाइन और बेकरी कर्मचारियों के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण भी आयोजित करती हैं।

पाकुड़ पुलिस एसोसिएशन का चुनाव संपन्न, कांटे की टक्कर में अध्यक्ष पद पर राम आशीष हुए काबिज

पाकुड़, एजेंसी। कड़ी सुरक्षा के बीच, झारखंड पुलिस एसोसिएशन की पाकुड़ शाखा के चुनाव जिला मुख्यालय स्थित एसोसिएशन कार्यालय में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। झारखंड पुलिस एसोसिएशन द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए दो-दो उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। नामांकन की जांच के बाद मतदान प्रक्रिया शुरू हुई। जिले में तैनात सहायक उप-निरीक्षकों, उप-निरीक्षकों, निरीक्षकों, मेजर और सार्जेंट ने मतदाता के रूप में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

मतदान समाप्त होने के बाद वोटों की गिनती की गई। नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवारों में राम आशीष सिंह और चंदन कुमार सिंह (अध्यक्ष), द्वारिका नाथ तिवारी और अनिल पंडित (उपाध्यक्ष), अनंत राम और राजेश कुमार (कोषाध्यक्ष), रोहित कुमार भंडारी और सुराई टेपे (सचिव) तथा मंगल किस्कू और हरे राम (संयुक्त सचिव) शामिल थे। सभी पदों के लिए मतदान हुआ। राम आशीष सिंह ने 94 वोट हासिल किए और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी चंदन कुमार सिंह को 24 वोटों के अंतर से हराया।

उपाध्यक्ष पद के लिए अनिल कुमार पंडित ने 112 वोट हासिल किए और द्वारिका नाथ तिवारी को 67 वोटों से हराया। सचिव पद के लिए सुराई टेपे ने 89 वोट हासिल किए और रोहित भंडारी को 19 वोटों से हराया। कोषाध्यक्ष पद के लिए अनंत राम ने 83 वोट हासिल किए और राजेश कुमार को 7 वोटों से हराया। संयुक्त सचिव पद के लिए मंगल किस्कू ने 87 वोट हासिल किए और हरे राम को 15 वोटों से हराया।

मतगणना प्रक्रिया के दौरान, अध्यक्ष के लिए 9, सचिव के लिए 8, उपाध्यक्ष के लिए 10, संयुक्त सचिव के लिए 8 और कोषाध्यक्ष के लिए 8 वोट रद्द पाए गए।

बंधु तिर्की और भाषाविदों ने उठाई झारखंड की जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा के संवर्धन की मांग

कॉन्क्लेव की शुरुआत पारंपरिक तरीके से की गई और उसके बाद वक्तताओं ने अपने अपने विचार रखे

रांची, एजेंसी। राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने संयोजकत्व में जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा बचाव मोर्चा की ओर से रांची विश्वविद्यालय के दीक्षांत मंडप में राज्यस्तरीय जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इस कॉन्क्लेव में झारखंड की नौ मान्यता प्राप्त जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा (कुरमाली, पंच परगनिया, खोरठा, हो, संताली, खड़िया, नागपुरी, कुडुख और मुंडारी) से जुड़े राज्यभर के भाषाविद, प्रोफेसर, शोधार्थी और छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। कॉन्क्लेव की शुरुआत पारंपरिक तरीके से की गई और उसके बाद वक्तताओं ने अपने अपने विचार रखे।

राज्यस्तरीय जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा कॉन्क्लेव के संयोजक पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि राज्य में मान्यता प्राप्त पांच जनजातीय और चार क्षेत्रीय भाषाएं उपेक्षित हैं। उसके विकास और संवर्धन के लिए बहुत सारे विचार कॉन्क्लेव के माध्यम से सामने आए हैं। इन सभी को एक दस्तावेज के रूप

में मुख्यमंत्री और सरकार को सौंपा जाएगा। बंधु तिर्की ने खुशी जताई कि राज्य बनने के बाद पहली बार झारखंडी भाषाओं को लेकर आयोजित इस तरह के कॉन्क्लेव में राज्य के अलग-अलग हिस्सों से करीब 2000 की संख्या में भाषाविद, शिक्षाविद, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं शामिल हुए हैं। बंधु तिर्की ने कहा कि झारखंड की नौ मान्यता प्राप्त जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को लेकर राज्य में लड़ाई तेज होगी। बुनियादी स्तर से लेकर उच्चस्तर तक जनजातीय और क्षेत्रीय भाषा की पढ़ाई हो इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ा जाएगा। बंधु तिर्की ने कहा कि इस राज्य का निर्माण सिर्फ सत्ता सुख पाने के लिए नहीं हुआ है, बल्कि यह राज्य ही इसलिए बना है, ताकि यहां की सभ्यता, संस्कृति, रहन-सहन, बोली-भाषा सब संरक्षित रहे।

पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने फिर दोहराया कि राज्य की राजनीति में सक्रिय जो भी राजनीतिक दल, जनजातीय और क्षेत्रीय भाषा को नजरअंदाज करेंगे, वह राज्य की राजनीति से अपने आप मिट जाएंगे। राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री और जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा बचाओ मोर्चा के संयोजक बंधु तिर्की ने कहा कि झारखंड निर्माण के 26 वर्षों में जितनी भी सरकारें बनी, उसमें से किसी सरकार ने राज्य की जनजाति और क्षेत्रीय भाषाओं के संवर्धन और विकास के लिए काम नहीं किया।

उन्होंने कहा कि जिस तरह की जागरुकता आज के कॉन्क्लेव में दिखी है वह यह दर्शाता है कि हम अपनी जनजातीय और क्षेत्रीय भाषा से कितना प्यार करते हैं। कॉन्क्लेव में आए भाषाविदों, शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने इस तरह के आयोजन पर खुशी जताते हुए कहा कि हमारी दिली इच्छा है कि अपने राज्य की जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाएं पोषित और पल्लवित हो और सरकार इसके लिए आगे आए।

झारखंड के स्थानीय और क्षेत्रीय भाषाओं के विकास को लेकर आयोजित राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में डॉक्टर सुभाष चंद्र मुंडा, डॉ। प्रकाश चंद्र उरांव, डॉ। चरण हेंब्रम, कोशन पाठ पेंगुआ, किशोर केरकेट्टा, डॉ। गजाधर महतो, डॉ। खालिक अहमद, डॉ। राजाराम महतो, डॉ। अर्थोनी मुंडा सहित कई वक्तताओं ने अपनी-अपनी भाषाओं को लेकर विस्तृत रूप से अपने विचार रखे। कॉन्क्लेव के अंत में सर्वसम्मति से झारखंडी भाषाओं का सम्मान, इसकी अस्मिता और स्वाभिमान पर चोट बर्दाश्त नहीं करने के साथ शिक्षा व्यवस्था में क्लस्टर सिस्टम को समाप्त करने की मांग सहित कई प्रस्ताव पारित किए गए।

संक्षिप्त समाचार

भोजपुर में करंट लगने से महिला की मौत

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में करंट लगने से एक महिला की मौत हो गई। घर से बकरी चराने के लिए निकली थी। मृतका की पहचान लक्ष्मीपुर गांव निवासी रंजीत शर्मा की पत्नी विमलावती देवी(33) के तौर पर हुई है। घटना आयर थाना क्षेत्र की है। मृतका के पति ने बताया कि बधार में बकरी राने गई थी। इस दौरान एक बकरी भाग गई। जिसे पकड़ने के लिए दौड़ी। रास्ते में ट्रांसफर के पास विद्युत प्रभावित लाइन से हाथ टच हो गया। झटका लगते ही जमीन पर गिर पड़ी। मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया।मामले की सूचना पर पुलिस पहुंची। सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया। मृतका को तीन पुत्र रोहित शर्मा, रौशन शर्मा और किशन शर्मा है। मौत के बाद घर में कोहराम मच गया। परिवार के सभी सदस्यों का रो–रोकर बुरा हाल है।

अकबरपुर में 11 केवी बिजली तार गिरा: टाउन फीडर की सप्लाई 5 घंटे बंद

नवादा, एजेंसी। नवादा जिले के अकबरपुर चौक के पास 11 केवी का बिजली का तार सोमवार सुबह टूटकर गिर गया। इस घटना के कारण अकबरपुर टाउन फीडर की विद्युत आपूर्ति लगभग चार से पांच घंटे तक बाधित रही। तार टूटने के तुरंत बाद, सुरक्षा कारणों से बिजली विभाग ने लाइन बंद कर दी। विभाग के कनीय अभियंता संजीव कुमार ने बताया कि क्षतिग्रस्त तार की मरम्मत का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए जल्द ही बिजली आपूर्ति बहाल की जाएगी। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, सुबह चली तेज आंधी के कारण यह 11 केवी का तार टूट गया। गनीमत रही कि घटना के समय वहां से कोई व्यक्ति नहीं गुजर रहा था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। हालांकि, बिजली आपूर्ति ठप होने से क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह के समय बिजली न होने से घरों में पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई और दैनिक कार्य बाधित हो गए। स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों और कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों को तैयार होने में कठिनाई हुई।स्थानीय लोगों ने बताया कि बरसात और आंधी के मौसम में ऐसी घटनाएं बार–बार हो रही हैं। उन्होंने बिजली विभाग से जर्जर तारों की समय रहते जांच और मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचा जा सके।

जहानाबाद में एक ही रात दो घरों में चोरी: चोरों ने लाखों के गहने-नकदी चुराए,

जहानाबाद, एजेंसी। जहानाबाद के राजाबाजार स्थित शिक्षक कॉलोनी में बीती रात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाया। चोर लाखों रुपये के सोने–चांदी के आभूषण और नकदी लेकर फरार हो गए। एक ही रात में हुई इन दो बड़ी चोरी की घटनाओं से इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। पहली चोरी राजेश कुमार के घर में हुई। उनके पुत्र रविरंजन कुमार ने बताया कि रात में परिवार के सभी सदस्य अलग–अलग कमरों में सो रहे थे। चोरों ने खिड़की की ग्रिल काटकर उस कमरे में प्रवेश किया, जहाँ आभूषण और नकदी रखी थी। अंदर घुसने के बाद चोरों ने दरवाजा भीतर से बंद कर आराम से वारदात को अंजाम दिया। रविरंजन कुमार के अनुसार, गोदरेज में उनकी मां, पत्नी और पिछले वर्ष विवाहित हुई बहन के सोने–चांदी के आभूषण रखे थे। चोर लगभग 30 लाख रुपये मूल्य के गहने और 80 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। सुबह जब परिजनों की नींद खुली, तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला, जिसके बाद चोरी का पता चला।इसी मोहल्ले में चोरों ने रवींद्र कुमार के घर को भी निशाना बनाया। रवींद्र कुमार ने बताया कि चोर खिड़की तोड़कर घर में घुसे और उनकी माता के बक्से तथा सूटकेस खंगाल डाले। चोर यहाँ से चेन, जीतिया, पायल सहित लगभग 2।5 लाख रुपये मूल्य के सोने–चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। इस चोरी का पता भी परिवार को सुबह जागने पर चला।एक ही रात में दो घरों में हुई चोरी की घटनाओं से स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन पुलिस की गश्ती व्यवस्था प्रभावी नहीं दिख रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद सोमवार सुबह नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी उमेश प्रसाद ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही अपराधियों की पहचान कर उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में विश्व प्रसिद्ध केसरिया बौद्ध स्तूप की बदल जाएगी तस्वीर,

सरकार ने दी करीब 20 करोड़ की सौगात

पटना, एजेंसी। पूर्वी चंपारण को बिहार के पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। विश्व प्रसिद्ध केसरिया बौद्ध स्तूप और ऐतिहासिक-पौराणिक सीताकुंड धाम को बिहार सरकार की मुख्यमंत्री होमस्टे प्रोत्साहन योजना और पर्यटन विकास योजनाओं में शामिल किया गया है। इससे इन दोनों पर्यटन स्थलों का विकास तेज होगा, वहीं स्थानीय लोगों, खासकर महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे।

अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र बनेगा केसरिया स्तूप : दुनिया के सबसे ऊंचे और विशाल बौद्ध स्तूपों में शामिल केसरिया स्तूप को लगभग 75 एकड़ क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। परियोजना के तहत करीब 19।77 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटकीय सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। यहां पर्यटकों के लिए कैफेटेरिया, टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर, पार्किंग सहित आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अलावा आठ प्रमुख बौद्ध स्थलों की प्रतिकृतियां (रिप्लिका) भी बनाई जाएंगी, ताकि पर्यटकों को एक ही स्थान पर बौद्ध विरासत की झलक मिल सके।

सीताकुंड धाम का भी होगा सौंदर्यीकरण : पर्यटन विभाग ने ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व वाले सीताकुंड धाम के विकास के लिए भी प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। योजना के तहत यहां भव्य प्रवेश द्वार, विशाल मंदिर और अन्य आधारभूत पर्यटन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है और देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

क्या है मुख्यमंत्री होमस्टे प्रोत्साहन योजना? : मुख्यमंत्री होमस्टे प्रोत्साहन योजना का उद्देश्य पर्यटन स्थलों के आसपास रहने वाले लोगों को स्वरोजगार से जोड़ना है। इसके तहत पात्र लाभार्थी अपने घरों को होमस्टे के रूप में विकसित कर सकेंगे। योजना के अनुसार प्रति कमरे 2।50 लाख रुपये की सब्सिडी मिलेगी। अधिकतम चार कमरों तक कुल 10 लाख रुपये का अनुदान दिया जाएगा। इसके अलावा महिलाओं और युवाओं को 25 हजार रुपये प्रति कमरा अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि भी मिलेगी।

5 किलोमीटर के दायरे के लोगों को मिलेगा लाभ : इस योजना का लाभ केवल उन घरों को मिलेगा, जो पर्यटन स्थलों से पांच किलोमीटर के दायरे में स्थित हैं। सरकार का मानना है कि इससे स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक खान-पान और हस्तशिल्प को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही होटल, गाइड, परिवहन और अन्य पर्यटन आधारित सेवाओं में भी रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, जिससे पूर्वी चंपारण की स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

अवैध बालू खनन रोकने पहुंची धोरैया पुलिस पर हमला, एसआई समेत कई पुलिसकर्मी घायल, नौ नामजद

धोरैया, एजेंसी। बांका जिले के धोरैया थाना क्षेत्र स्थित पसहाना बालू घाट पर अवैध बालू उठाव की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर कथित बालू माफियाओं ने हमला कर दिया। इस दौरान धोरैया थाना के अवर निरीक्षक प्रदीप कुमार चौधरी सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। मामले में झारखंड के गोड्डा जिले के नौ लोगों को नामजद करते हुए धोरैया थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस के अनुसार सूचना मिलने पर अवर निरीक्षक प्रदीप कुमार चौधरी, अवर निरीक्षक सूरज कुमार वैभव, सतीश कुमार एवं अन्य पुलिसकर्मी पसहाना बालू घाट पहुंचे। वहां 30 से 40 ट्रैक्टर बिहार की सीमा में घुसकर कथित रूप से अवैध बालू खनन करते मिले। पुलिस को देखते ही चालक ट्रैक्टर छोड़कर भागने लगे। इस दौरान पुलिस ने एक ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। एफआईआर के अनुसार ट्रैक्टर पकड़े जाने के बाद कुछ लोगों ने अपने साथियों को बुला लिया। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग लाठी-डंडा, ईंट और पत्थर लेकर मौके पर पहुंचे और पुलिस टीम पर हमला कर दिया। हमले में अवर निरीक्षक प्रदीप कुमार चौधरी के सिर पर गंभीर चोट लगी। पुलिसकर्मियों पर ईंट-पत्थर भी फेंके गए और ट्रैक्टर छुड़ाकर आरोपी झारखंड की ओर भाग निकले। हमले के बाद घायल पुलिसकर्मियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, धोरैया में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार किया गया। अवर निरीक्षक प्रदीप कुमार चौधरी के बयान पर गोड्डा जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सौर पचीसा गांव निवासी नगल मंडल, चंदन यादव, प्रदीप यादव, सुबोध यादव, संजय यादव, चंद्रशेखर यादव, मुन्ना मंडल, धोनी यादव और मिशु खान सहित अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बोहरबा के पास सड़क धंसने से आवागमन मुश्किल

बरसात में बढ़ी दुर्घटना की आशंका, ग्रामीणों ने जल्द मरम्मत की मांग

सहरसा, एजेंसी। बनमा ईटहरी प्रखंड की सहुरिया पंचायत में बोहरबा, तरहा, सहुरिया, सुगमा और कंजरी गांवों को जोड़ने वाली मुख्य सड़क बदहाल हो गई है। कई जगह सड़क धंस गई है, जबकि बोहरबा गांव के पास इसकी स्थिति सबसे अधिक खराब है। बरसात के मौसम में सड़क पर चलना लोगों के लिए जोखिम भरा हो गया है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क के किनारे मिट्टी धंस जाने से बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। इससे हर दिन ग्रामीणों, स्कूली बच्चों, मरीजों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर बाइक सवारों के लिए इस मार्ग से गुजरना काफी मुश्किल हो गया है। बरसात के कारण सड़क की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

राहगीर गौतम कुमार और अरुण यादव ने बताया कि यह सड़क कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। इसके बावजूद लंबे समय से इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द मरम्मत नहीं हुई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

ग्रामीण राजू कुमार और विजय कुमार ने बताया कि बारिश के दिनों में सड़क पर चलना और भी कठिन हो जाता है। सबसे ज्यादा परेशानी छोटे बच्चों, बुजुर्गों और दोपहिया वाहन चालकों को होती है। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से सड़क की तत्काल मरम्मत कराने, धंसे हुए हिस्सों की भराई कराने तथा सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो किसी भी दिन गंभीर दुर्घटना हो सकती है।

91 वर्ष के हुए 14वें बौद्ध धर्मगुरू दलाई लामा

अंतरराष्ट्रीय बौद्धस्थली बोधगया में विशेष पूजा-अर्चना

गया, एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा 91 वर्ष के हो गए। भगवान बुद्ध की ज्ञान भूमि बोधगया में उनके जन्मदिन के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना और प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। महाबोधि मंदिर परिसर में हजारों बौद्ध भक्तों ने उनके दीर्घायु जीवन और स्वास्थ्य की कामना की।

महाबोधि मंदिर में भव्य कार्यक्रम: 14वें दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो के जन्मदिन पर महाबोधि मंदिर में विशेष बौद्ध अनुष्ठान संपन्न हुए। मंदिर परिसर व विभिन्न विहारों में प्रार्थना, दीपदान और सामूहिक मंत्रोच्चारण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। बौद्ध भिक्षुओं ने शांति और करुणा का संदेश देते हुए दलाई लामा की लंबी उम्र के लिए सामूहिक प्रार्थना की।

विश्व भर से जुटे बौद्ध अनुयायी: बोधगया बौद्ध धर्मावलंबियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। दलाई लामा के जन्मदिन पर देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे। तिब्बती मॉनेस्ट्री समेत विभिन्न विहारों में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भक्तों ने दलाई लामा के पोस्टर लगाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

दलाई लामा का जीवन परिचयः दलाई लामा का जन्म 6 जुलाई 1935 को पूर्वोत्तर तिब्बत के ताकत्सेर गांव में हुआ था। 1959 में चीनी आक्रमण के बाद वे भारत आए और तब से यहीं शरण में हैं। वे हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में रहते हैं। विश्व शांति और अहिंसा के प्रतीक दलाई लामा को 1989 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

बोधगया में उल्लास का माहौलः बोधगया में दलाई लामा के जन्मदिन को लेकर चारों ओर उल्लास का माहौल है। सड़कों पर बैनर और पोस्टर लगाए गए हैं। स्थानीय बौद्ध संगठनों ने भक्तों के लिए प्रसाद वितरण और मुफ्त चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया। पूरा बौद्ध परिसर रंग-बिरंगी रोशनियों से सजा हुआ है।

शांति संदेश पर जोरः दलाई लामा के जन्मदिन पर बौद्ध नेताओं ने उनके संदेश पर जोर दिया कि करुणा, अहिंसा और मानवता ही विश्व शांति का आधार हैं।

डबल मर्डर से दहला बिहार, स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने दो युवकों को गोलियों से भूना

बांका, एजेंसी। बिहार के बांका जिले के अमरपुर प्रखंड अंतर्गत रतनपुर मकदूम्मा पंचायत के बलिया गांव में रविवार शाम करीब पांच बजे दो युवकों की गोली मार कर हत्या कर दी गई। स्कॉर्पियो से आए बदमाशों ने बाइक सवार दोनों युवकों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की, जिससे दोनों मौके पर ही मौत हो गई। हमलावर घटना के तुरंत बाद वाहन सहित फरार हो गए।

बलिया गांव में डबल मर्डर: मृतकों की पहचान अमरपुर थाना क्षेत्र की गरीबपुर पंचायत अंतर्गत धर्मराय गांव निवासी अर्जुन सिंह के 40 वर्षीय पुत्र गुंजन सिंह और जगदीश सिंह के 35 वर्षीय पुत्र सिट्टू सिंह के रूप में हुई है। दोनों दिल्ली में मजदूरी करते थे। सिट्टू सिंह कुछ दिन पहले ही दिल्ली से गांव लौटा था, जबकि गुंजन सिंह भी दिल्ली से ही आया हुआ था। दोनों किसी काम से बलिया गांव गए थे और वापस लौट रहे थे।

घटना का तरीका सुनियोजित: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने बेहद करीब से दोनों युवकों को निशाना बनाया और उनके सीने में कई गोलियां दाग दी। गोली लगते ही दोनों सड़क पर गिर पड़े। ग्रामीणों ने बताया कि उनके साथ एक तीसरा युवक भी था, जो गोलीबारी शुरू होते ही जान बचाकर भाग निकला। पुलिस इस तीसरे युवक की तलाश में जुटी हुई है। 'दोनों किसी काम से बलिया गांव आए थे और वापस लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आए बदमाशों ने बेहद करीब से दोनों के सीने में गोलियां मार दी। हमलावरों ने घटना को इतनी तेजी से अंजाम दिया कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला।

जांच के लिए पहुंची फॉरेंसिक टीम: सूचना मिलते ही अमरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को घेर लिया। कुछ देर बाद बांका के पुलिस अधीक्षक अमितेश कुमार, एसडीपीओ अमर विश्वास और फॉरेंसिक साइंस लैब की टीम भी पहुंच गई। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए, आसपास के लोगों से पूछताछ की और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बांका सदर अस्पताल भेज दिया।

क्या कहते हैं एसपी: पुलिस अधीक्षक अमितेश कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला सुनियोजित गोलीबारी का लग रहा है। घटना के पीछे पुरानी रंजिश, आपसी विवाद या अन्य कोई कारण हो सकता है। पुलिस सभी पहलुओं पर गहन जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों की पहचान की कोशिश की जा रही है।

हरदिया में रास्ता विवाद को लेकर हुई मारपीट: एक व्यक्ति गंभीर घायल, सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई

खगड़िया, एजेंसी। खगड़िया जिले के चौथम थाना क्षेत्र के हरदिया गांव में रविवार को रास्ता विवाद को लेकर हुई मारपीट में एक अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल की पहचान प्रभाषमणि रंजन के तौर पर हुई है। परिजनों ने उन्हें तत्काल खगड़िया सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, प्रभाषमणि रंजन के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं।

यह घटना रास्ते को लेकर चल रहे एक पुराने विवाद के कारण हुई। बताया गया कि कहासुनी के बाद विरोधी पक्ष ने प्रभाषमणि रंजन पर डंडे से हमला कर दिया।

घटना की सूचना मिलने पर चौथम थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। चौथम थाना प्रभारी अजीत कुमार ने सोमवार सुबह बताया कि आवेदन मिलने पर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

पीड़ित पक्ष के लोगों ने बताया कि आरोपी उनके घर के सामने से आता-जाता था और इस दौरान गाली-गलौज करने लगा। जब उसे रोका गया, तो उसने लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी, जिससे प्रभाषमणि रंजन गंभीर रूप से घायल हो गए।

बिहार के इस गांव का 1 किलोमीटर हिस्सा गंगा में विलुप्त, महाकटान रोकने के लिए युद्धस्तर पर हो रहा काम

भोजपुर, एजेंसी। जिले के शाहपुर और बड़हरा प्रखंड के कई गांव हर वर्ष गंगा नदी की बाढ़ और कटाव की चपेट में आ जाते हैं। इनमें शाहपुर प्रखंड की दामोदरपुर पंचायत स्थित जवइनियां गांव सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में शामिल है। बीते वर्ष गंगा के विकराल रूप ने इस गांव में भारी तबाही मचाई थी, जिसके कारण सैकड़ों परिवारों का आशियाना उजड़ गया था। जानकारी के अनुसार गांव का 1 किलोमीटर हिस्सा आज भी गंगा में समाया हुआ है।

बाढ़ में तबाह हो गई थी जवइनियां गांव: ग्रामीणों के अनुसार पिछले वर्ष गंगा नदी के भीषण कटाव से जवइनियां गांव में करीब 400 पुश्तैनी पक्के और कच्चे मकान नदी में समा गए थे। कटाव के दौरान पूरे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। वहीं यूपी के बलिया जिले से सटे क्षेत्रों को मिलाकर 500 से अधिक घर गंगा की धारा में विलीन हो गए थे।

कटावरोधी कार्य लायी गई तेजी: कटाव के कारण बड़ी संख्या में परिवार बेघर हो गए और उन्हें सुरक्षित स्थानों की तलाश करनी पड़ी। इस वर्ष संभावित बाढ़ और कटाव से गांव को बचाने के लिए बिहार के भोजपुर जिला प्रशासन और उत्तर प्रदेश के बलिया जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से कटावरोधी कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

युद्धस्तर पर चल रहा सुरक्षा कार्य: नदी किनारे सुरक्षा कार्यों को युद्धस्तर पर पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि बरसात के मौसम में गंगा का रौद्र रूप गांव के लिए फिर से संकट न बन सके।

कई परिवारों को नहीं मिली जमीन: कई परिवारों के मकान, खेत और अन्य संपत्तियां नदी में समा गई थी। ग्रामीणों ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से कुछ विस्थापित परिवारों को जमीन उपलब्ध कराई गई है, लेकिन अभी भी कई दर्जनों परिवार ऐसे हैं जिन्हें पुनर्वास के लिए जमीन नहीं मिल सकी है।

तिरपाल बांधकर रहने को मजबूर विस्थापित: जमीन नहीं मिलने के कारण कई विस्थापित परिवार इस भीषण गर्मी में भी तिरपाल लगाकर बांध पर रहने को मजबूर हैं। वे अपने परिवार और मवेशियों के साथ अस्थायी शिविरों में जीवनयापन कर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से शेष प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था जल्द करने तथा कटावरोधी कार्यों को समय पर पूरा कराने की मांग की है।

तटबंध को किया जा रहा मजबूत: ग्रामीणों को उम्मीद है कि इस बार चल रहे सुरक्षा कार्यों से गंगा के कटाव पर प्रभावी रोक लगेगी और उन्हें हर वर्ष होने वाली तबाही से राहत मिलेगी।गंगा नदी के कटाव से प्रभावित क्षेत्रों को बचाने के लिए सरकार ने शाहपुर प्रखंड के जवइनिया गांव के पास तटबंध को मजबूत करने की योजना शुरू की है।

कम होगा कटाव का खतरा: इस परियोजना के तहत गंगा के किनारे व्यापक कटावरोधी कार्य कराया जा रहा है। इस योजना के पूरा होने के बाद आधा दर्जन गांवों को गंगा के कटाव से राहत मिलने की उम्मीद है और गांवों के अस्तित्व पर मंडरा रहा खतरा काफी हद तक कम हो जाएगा।

45 करोड़ 84 लाख की लागत से हो रहा कार्य: गंगा नदी के बढ़ते कटाव को रोकने के लिए जल संसाधन विभाग, बिहार सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर कटाव निरोधक (एंटी इरोजन) कार्य शुरू किया गया है। विभाग की ओर से लगाए गए सूचना बोर्ड के अनुसार गंगा नदी के तट पर बीकेजीई (क्यत्लश्व) के 58।00 किलोमीटर से 59।20 किलोमीटर के बीच, गंगापुर, भुसावला, नंदपुर एवं दमोदरपुर (जवाइनिया) गांवों के सामने कटावरोधी कार्य कराया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार इस महत्वाकांक्षी परियोजना की स्वीकृत लागत 45 करोड़ 84 लाख 73 हजार 207 रुपये निर्धारित की गई है। कार्य का अनुबंध 01स्क्ष्ठ/2026-27 के तहत किया गया है, जिसकी तिथि 2 मई 2026 है। इस परियोजना को पूरा करने की समय सीमा 15 जुलाई 2026 तय की गई है।

कार्य का क्रियान्वयन बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, बक्सर के अधीन कराया जा रहा है।इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश के चक्की नौरंगा से लेकर बिहार के जवइनिया के पूरब तक कटावरोधी बोल्डर पिचिंग का कार्य कराया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि गंगा नदी के लगातार कटाव से हर वर्ष कृषि भूमि एवं आबादी प्रभावित होती रही है।

सैंड बैग से तैयार किया जाएगा मजबूत बेस: परियोजना के तहत गंगा नदी के पानी के अंदर पहले मजबूत आधार तैयार किया जाएगा। इसके लिए सफेद बालू से भरे सैकड़ों सैंड बैग लगाकर एनसी बेस बनाया जाएगा।इस बेस को इस तरह तैयार किया जाएगा कि वह बोल्डर पिचिंग के भारी वजन को सह सके और अधिक दबाव पड़ने पर भी धंसने की आशंका न रहे।एनसी बेस तैयार होने के बाद लोहे के मजबूत तारों से जालीनुमा ढांचा बनाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

करंट की चपेट में आकर वन दरोगा की मौत

गोरखपुर, एजेंसी। क्षेत्र के पड़ुपुरवा गांव निवासी और रायपुर में तैनात वन दरोगा 25 वर्षीय कृष्णा दुबे की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, कृष्णा दुबे रविवार को स्नान करने जा रहे थे। घर के हैंडपंप में टुल्लू पंप लगा हुआ था। जैसे ही उन्होंने हैंडपंप को छुआ, उसमें उतरे करंट की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें तत्काल उपचार के लिए निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृत्यु की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। कृष्णा दुबे वर्ष 2024 में वन दरोगा के पद पर चयनित हुए थे और वर्तमान में छत्तीसगढ़ के रायपुर में तैनात थे। वे पांच दिन पहले ही छुट्टी लेकर अपने घर आए थे। परिजन के अनुसार, कृष्णा चार भाई-बहनों में सबसे बड़े थे और अभी उनकी शादी नहीं हुई थी।

आरामतलबी जिंदगी दे रही जोड़ों की परेशानी

कानपुर, एजेंसी। कानपुर आर्थोपेडिक सिम्पोजियम का आयोजन रविवार को सिविल लाइंस स्थित होटल में किया गया। यहां विशेषज्ञों ने बढ़ते हड्डी रोगों पर चिंता जाहिर की और सावधानी बरतने की सलाह दी गई। संगोष्ठी में घुटनों, कूल्हों, रीढ़ और कंधों से संबंधित समस्याओं पर चर्चा की गई। मुख्य वक्ता विशेषज्ञ डॉ. विक्रम शाह ने बताया कि आरामतलबी भरी जिंदगी जीने के चलते हड्डियों और जोड़ों में परेशानियां बढ़ रही हैं। कहा कि लंबे समय तक बैठकर काम करना, मोबाइल और कंप्यूटर का अत्यधिक उपयोग, गलत पॉश्चर तथा अनियमित दिनचर्या युवाओं को भी कम उम्र में कमर दर्द, गर्दन दर्द और घुटनों की समस्याओं की ओर धकेल रही है। लोग अक्सर शुरुआती जोड़ों या कमर दर्द को नजरअंदाज कर देते हैं जिससे समस्या आगे चलकर गंभीर रूप ले लेती है और उपचार अधिक जटिल हो जाता है। जागरूकता, समय पर जांच और जीवनशैली में सुधार हड्डियों और जोड़ों की समस्याओं से बचाव के लिए बेहद आवश्यक है। फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. अमित मिश्रा ने बताया कि फिजियोथैरेपी से रोगियों को सर्जरी की नौबत तक पहुंचने से बचाया जा सकता है। ग्लोबल ओपीडी डायरेक्टर डॉ. भरत गज्जर ने बताया कि बढ़ता स्क्रीन टाइम, घंटों बैठकर काम करने की आदत, मोटापा और शारीरिक गतिविधियों में कमी हड्डियों और जोड़ों से जुड़ी समस्याओं का बड़ा कारण बनते जा रहे हैं। पहले जहां घुटनों, रीढ़ और कूल्हों की समस्याएं मुख्यत: बुजुर्गों में देखी जाती थीं, वहीं अब 25 से 45 वर्ष आयु वर्ग के लोगों में भी ये समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। डॉ. दर्शिनी शाह ने दर्द रहित रूट कैनाल, इंप्लांट को लेकर जानकारी दी। इस मौके पर कानपुर और लखनऊ के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

वीरेंद्र स्वरूप पब्लिक स्कूल बना अंडर-17 फुटबाल चैंपियन

कानपुर, एजेंसी। वीरेंद्र स्वरूप पब्लिक स्कूल कैंट ने सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल को 1-0 से हराकर अंडर-17 सीआईएससीई इंटर स्कूल फुटबाल प्रतियोगिता जीत ली है। सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल में रविवार को खेले गए खिताबी मुकाबले में वीरेंद्र स्वरूप पब्लिक स्कूल और मेजबान सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल के बीच कांटे की टक्कर हुई। दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। वीरेंद्र स्वरूप पब्लिक स्कूल ने 1-0 से जीत हासिल की। तीसरे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में सेंट एलॉयसिस स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैथॉडिस्ट हाई स्कूल को 3-1 से शिकस्त देकर कांस्य पदक हासिल किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि व विद्यालय के उपप्रधानाचार्य एमके मिश्रा ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार दिया। विभागाध्यक्ष वीरेंद्र त्रिपाठी, फुटबाल संघ के संरक्षक अजीत सिंह, राजकुमार, बलविंदर सिंह, सौरभ, शरद मिश्रा, सुशील चंद्र, सुबोध शुक्ला समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।

फर्जी मार्कशीट के मुख्य सरगना के घर पुलिस ने दी दबिश

उन्नाव, एजेंसी। कानपुर में फर्जी मार्कशीट बनाकर बेचने वाले गिरोह के इनामी मुख्य सरगना की गिरफ्तारी के लिए फीलखाना पुलिस ने पीडी नगर स्थित उसके घर पर दबिश दी। हालांकि आरोपी भाग निकला। उसकी पत्नी पर मार्कशीट जलाने का आरोप है। पुलिस जांच कर रही है। कानपुर साकेतनगर से 17 फरवरी को पुलिस ने फर्जी मार्कशीट बनाने वाले गिरोह के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से विश्वविद्यालय और माध्यमिक शिक्षा परिषद की फर्जी मार्कशीट बरामद हुई थीं। जालसाज का मुख्य सरगना उन्नाव के पीडी नगर निवासी अखिलेश शुक्ला तब से फरार चल रहा है। कानपुर पुलिस ने उस पर 25000 रुपये का इनाम भी घोषित किया है। शनिवार देर रात फीलखाना पुलिस ने आरोपी के पीडी नगर स्थित घर पर दबिश दी। आरोपी तो नहीं मिला लेकिन उसकी पत्नी ने कुछ मार्कशीट जला दी हैं। इस पर पुलिस जांच कर रही है। बताया जाता है कि पहले पुलिस को पहले एबीनगर मोहल्ले में आरोपी का घर बताया गया। किला चौकी पुलिस के साथ पहले वहां दबिश दी। बाद में जब पीडी नगर बताया गया, तब पुलिस वहां पहुंची।

आरोपियों ने भक्तों के पैसों से उड़ाई मौज

गर्लफ्रेंड को भेजे लाखों, आईफोन किया गिफ्ट

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के करोड़ों रुपये पार कर आरोपियों ने खूब मौज की। अविनाश शुक्ला ने खुद तो मकान बनवाने के साथ गाड़ी खरीदी ही अपनी गर्लफ्रेंड को भी दो लाख रुपये ट्रांसफर किए। यही नहीं आईफोन भी गिफ्ट किया। ये सब उसने किया जिसकी सैलरी महज 15 हजार महीना था। इसका खुलासा पुलिस की तफ्तीश में हुआ है। आरोपियों ने रकम कहां कहां छिपाई और कहां खपाई, इसका पूरा ब्योरा पुलिस जुटा रही है।

सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने सभी आरोपियों के बैंक खातों का विवरण निकलवाया है। यही नहीं उनके परिवारीजनों के खातों की भी डिटली खंगाली गई है। जिसमें अनियमितताएं मिली हैं। जिससे ये साबित होता है कि हेरफेर कर गबन की राशि को इधर से उधर किया गया। इसमें अविनाश का खता शामिल है। जिससे पता चला कि दो लाख रुपये उसने एक खाते में भेजे हैं। वह खाता उसकी महिला मित्र का निकला। उसके बयान लेकर पुलिस साक्ष्यों को जुटा रही है। इसी तरह से अन्य आरोपियों ने इस रकम से तमाम चीजें खरीदीं और लोगों को पेमेंट किए। अचानक इतना रकम कहां से आया, इसका कोई जवाब आरोपियों के पास नहीं है, इसकी वजह यही है कि रकम चढ़ावा चोरी की है।

क्या किसी नेता से भी है कनेक्शन...चोरी के मामले में एक चर्चा ये भी कि कुछ आरोपी राजनीतिक दलों के बड़े नेताओं से भी जुड़े थे। इन स्थानीय नेताओं से टिन्नू व एक दो अन्य की लगातार बातचीत होती रहती थी। इनमें से एक ने नेता तक चोरी की सूचना पहुंचाई, जिससे बड़ा बवाल हो। लेकिन, उसको ये पता नहीं था कि वह खुद फंस जाएगा। हालांकि ये सिर्फ चर्चा है किसी भी तरह से इसकी पुष्टि नहीं है।

टिन्नू ही नहीं, अनुकल्प भी था चंपत राय का भरोसेमंद : राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू ही नहीं, अनुकल्प मिश्रा भी ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का करीबी था। सोशल मीडिया से सामने आए दस्तावेज और तस्वीरें

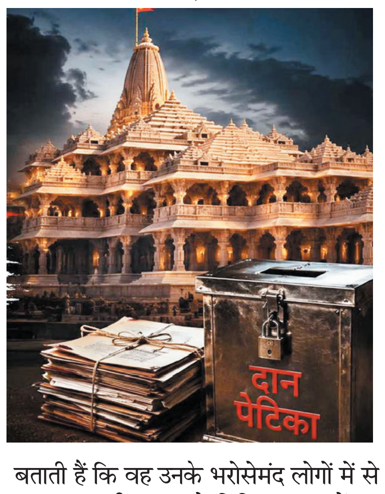

बताती हैं कि वह उनके भरोसेमंद लोगों में से एक था। इसी वजह से विभिन्न अवसरों पर उसे महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे जाते थे।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला छह जून को सार्वजनिक हुआ था। इसमें चंपत राय के करीबी रहे टिन्नू यादव की भूमिका सर्वाधिक बताई जा रही थी लेकिन चोरी के मामले में अब जांच एजेंसियां अनुकल्प मिश्रा को भी मास्टरमाइंड मान रही हैं। अनुकल्प भी चंपत राय के काफी नजदीक और भरोसेमंद लोगों में से एक बन गया था। इसी के सोशल मीडिया पर पड़ी तस्वीरें और कुछ कागजात इसकी गवाही देते हैं।

इसके अनुसार श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के वर्ष प्रतिपदा समारोह में उसे व्यवस्था कार्यकर्ता के रूप में प्रवेश पत्र मिला था। वहीं, दीपावली का भी एक प्रवेश पत्र सामने आया है, जो 31 अक्तूबर, 2024 तक वैध था। इससे ट्रस्ट के आयोजनों में उसकी सक्रिय भूमिका और जिम्मेदारी का अंदाजा लगाया जा सकता है। इतना ही नहीं, अनुकल्प के आवास पर आयोजित कथा में भी चंपत राय की मौजूदगी रही।

कार्यक्रम के मंच पर अनुकल्प ने कई भाजपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों के साथ तस्वीरें खिंचवाई थीं। राम मंदिर में आयोजित कार्यक्रमों में भी उसकी इन्हीं लोगों के साथ कई तस्वीरें दिखी हैं। सोशल मीडिया पर वायरल ये तस्वीरें उसकी नजदीकियों को लेकर चर्चाओं को और हवा दे रही हैं। उधर, सोशल मीडिया पर उपलब्ध तस्वीरों में अनुकल्प जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रोहित सिंह, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक चंद्रभानु पासवान, जिलाध्यक्ष भाजपा राधेश्याम त्यागी, भाजपा नेता खुन्नू पांडेय आदि के साथ दिखाई दे रहा है।

इनमें सबसे ज्यादा तस्वीरें भाजपा नेता रोहित सिंह के साथ की हैं। हालांकि, अधिकारियों के अनुसार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में किसी भी प्रतिष्ठित व्यक्ति के साथ तस्वीर होना आम है। इसे किसी की किसी प्रकार की संलिप्तता का प्रमाण नहीं माना जा सकता।

गिरफ्तारी के बाद खंगाले जा रहे पुराने रिश्ते : चढ़ावा चोरी मामले में गिरफ्तारी के बाद अनुकल्प से जुड़े पुराने फोटो, पोस्ट और सार्वजनिक कार्यक्रमों की तस्वीरों को पहले सामान्य राजनीतिक और सामाजिक सक्रियता का हिस्सा माना जाता था। अब वही जांच और सार्वजनिक चर्चा का विषय बन गई हैं। हालांकि, जांच एजेंसियां केवल उपलब्ध साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर ही मामले की जांच आगे बढ़ा रही है। आरोपी के पुराने रिश्ते भी खंगाले जा रहे हैं।

बैंक की लापरवाही, रकम कहां जमा होगी, ये भी तय नहीं

चोरी के पीछे बड़ी लापरवाही बैंक की भी रही। ये बात पहले ही सामने आ चुकी है। अब पता चला है कि जिस एसबीआई की बैंक की अयोध्या धाम शाखा में जब चढ़ावे की रकम जमा की जाती तो कई बार ऐसा हुआ कि वह रकम रखने की जगह ही नहीं थी। तब आनन-फानन में बैंक अधिकारी रकम को अन्य शाखाओं में भेजते थे। इतनी बड़ी रकम को लेकर इस तरह की लापरवाही भी बरती जाती थी।

धर्मांतरण का मामला, मदरसे के मौलाना और बेटे पर मुकदमा, गिरफ्तारी को दो टीमें गठित

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। मुजफ्फरनगर के रतनपुरी थाना क्षेत्र के फुलत गांव स्थित मदरसा दारूल उलूम रहीमिया के संचालक मौलाना हफीजुर्रहमान अंसारी और उनके बेटे जुबैर अंसारी के खिलाफ धर्मांतरण के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दो टीमें गठित कर दी हैं।

गांव के व्यक्ति ने दर्ज कराई शिकायत

रतनपुरी थाना क्षेत्र के गांव फुलत निवासी युनुस ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि गांव में संचालित मदरसा दारूल उलूम रहीमिया के संचालक मौलाना हफीजुर्रहमान अंसारी पुत्र अब्दुल रज्जाक अंसारी और उनके बेटे जुबैर अंसारी ने कई हिंदू समाज के लोगों को बहला-फुसलाकर और डरा-धमकाकर धर्म परिवर्तन कराया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

धर्म संपरिवर्तन अधिनियम के तहत कार्रवाई

पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में आरोपों की जांच के साथ अन्य साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं।

एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो टीमें गठित की गई हैं। दोनों आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है और जल्द आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

लोजपा ने 2027 विस चुनाव का किया शंखनाद

सभी सीटों पर लड़ने का एलान, चिराग ने सपा-कांग्रेस पर साधा निशाना

लखनऊ, एजेंसी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने रविवार को संस्थापक राम विलास पासवान की 80वीं जयंती के अवसर पर राजधानी लखनऊ में आयोजित नव संकल्प सभा के जरिये उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 का बिगुल फूंक दिया। पार्टी अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया।

प्रदेश अध्यक्ष अरविंद पासवान के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में चिराग पासवान ने कहा कि राम विलास पासवान के सपनों को साकार करना सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों और विचारधारा को पहुंचाने की अपील की। महाराजा लाखन पासी का स्मरण करते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश के सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों से जुड़ने का प्रयास किया।

संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए पार्टी प्रतिबद्ध

चिराग पासवान ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि इन दलों ने दलितों और पिछड़ों के नाम पर राजनीति तो की, लेकिन उनके हितों की अनदेखी की। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए उनकी पार्टी प्रतिबद्ध है। संविधान और आरक्षण पर किसी प्रकार का खतरा नहीं आने दिया जाएगा।

सामाजिक भागीदारी पर जोर

सभा में उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं जमुई सांसद अरुण भारती ने भी सामाजिक समरसता और व्यापक सामाजिक भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने ब्राह्मण, वैश्य, विश्वकर्मा सहित सभी वर्गों को साथ लेकर पार्टी का जनाधार बढ़ाने की बात कही। कार्यक्रम के जरिये लोजपा ने स्पष्ट संकेत दिया कि वह उत्तर प्रदेश में सोशल इंजीनियरिंग और नए सामाजिक समीकरणों के सहारे अपनी राजनीतिक मौजूदगी मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है।

यूपी में बनेगा नया रिकार्ड, हरियाली से भरेगा गंगा एक्सप्रेसवे

एक दिन में लगेंगे 35 करोड़ पौधे

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 12 जुलाई को एक दिन में 35 करोड़ पौधे लगाकर पौधरोपण का नया रिकॉर्ड बनाया जाएगा। पौधरोपण महाभियान-2026 को जनसहभागिता के साथ उत्सव के रूप में आयोजित किया जाएगा। इसकी तैयारियां तेज हो गई हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार को जनप्रतिनिधियों से संवाद कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश देंगे। वन मंत्री भी विभिन्न विभागों के मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग इस अभियान का नोडल विभाग होगा और सर्वाधिक 15.50 करोड़ पौधे लगाएगा। महाभियान में ग्राम्य विकास विभाग 10 करोड़, कृषि 3.25 करोड़, उद्यान 1.50 करोड़ और पंचायती

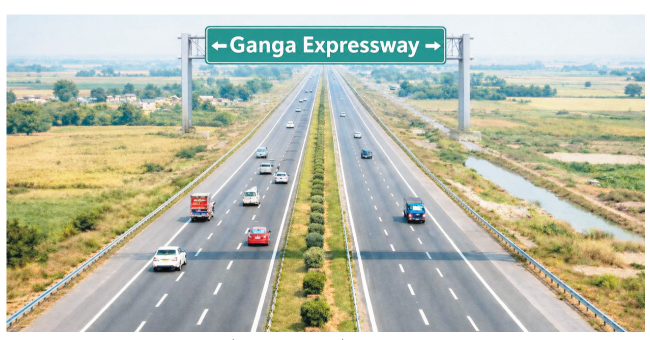

राज विभाग 1.22 करोड़ पौधरोपण करेगा। वन विभाग ने इस वर्ष अपनी करीब दो हजार नर्सरियों में 52.44 करोड़ पौधे तैयार किए हैं। इनका वितरण अभियान से पहले पूरा किया जाएगा।

गंगा एक्सप्रेसवे के दोनों किनारों पर लगेंगे पौधे : विशेष रूप से 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे के दोनों किनारों पर 500 हेक्टेयर क्षेत्र में 5.50 लाख पौधे लगाए जाएंगे। यहां पीपल, बरगद, नीम, पाकड़, गूलर, महुआ, आम, अर्जुन, अमलतास, कचनार और गुलमोहर जैसी प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाएगी। पौधों की सुरक्षा के लिए फेंसिंग और सिंचाई के लिए ड्रिप इरिगेशन की व्यवस्था भी की जाएगी।

नए विशिष्ट वन भी विकसित होंगे : इस बार अभियान के तहत समरस वन, समृद्धि वन, कृषि वन, ऊर्जा वन और कृषि वन जैसे नए विशिष्ट वन विकसित किए जाएंगे। मिशन छाया के तहत सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर छायादार पौधे लगाए जाएंगे। अविरल धारा पौधरोपण, सहजन भंडारा और आम भंडारा भी अभियान का हिस्सा होंगे। 15 अगस्त को वंदे मातरम् वाटिका, रक्षाबंधन पर भाई-बहन पौधरोपण और शिक्षक दिवस पर एक पेड़ गुरु के नाम कार्यक्रम भी होंगे।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी ने बताया कि 12 जुलाई को पूरे प्रदेश में एक दिन में 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। सभी विभागों, मंडलों और जिलों के लक्ष्य तय किए जा चुके हैं और व्यापक जनसहभागिता के साथ इस अभियान को उत्सव के रूप में मनाया जाएगा।

बसपा का बढ़ रहा कुनबा, पूर्व राज्य मंत्री अशोक गौतम की वापसी; कई दलों के नेताओं ने भी थामा हाथ

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी बसपा अपना कुनबा भी बढ़ा रही है। पार्टी में पूर्व राज्य मंत्री अशोक गौतम की वापसी हुई है। इन्हें लखनऊ का मुख्य मंडल प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा बुलंदशहर के मुकेश पंडित समेत कई दलों के नेता बसपा का हिस्सा बने हैं। नोएडा के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सतवीर नागर को भी पार्टी में वापस लेकर मेरठ मंडल का जोनल प्रभारी बनाया गया है।

आजाद समाज पार्टी के नेता आगरा के महेश चंद्रा ने भी रविवार को बसपा की सदस्यता ग्रहण की है। वहीं, मऊ के मोहम्मदाबाद में कार्यकर्ता सम्मेलन में जेके आजाद को प्रत्याशी घोषित कर दिया है। इस मंडल में पूर्व के चुनावों में बसपा का खासा प्रभाव रहा है। इसी रणनीति के तहत बसपा ने कार्यकर्ता सम्मेलन कर अपने वोट बैंक को सुरक्षित रखने की कवायद में जुटी है। बसपा द्वारा कार्यकर्ता सम्मेलन के जरिये प्रत्याशियों की घोषणा करना अन्य दलों के लिए चुनौती बनता जा रहा है। इन सम्मेलनों में उमड़ने वाली भीड़ के सामने प्रत्याशी का नाम घोषित करने से कार्यकर्ताओं का भरोसा भी मजबूत हो रहा है। जल्द ही बसपा सहारनपुर और सुल्तानपुर में भी कार्यकर्ता सम्मेलन करने जा रही है जिसमें कई प्रत्याशियों के नाम का ऐलान करने की तैयारी है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर सीएम का पलटवार

कहा- कारसेवकों पर गोली चलाने वालों को नहीं मंदिर की चिंता

लखनऊ, एजेंसी। शक्ति केंद्र संयोजकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी श्रीराम मंदिर प्रकरण पर विपक्ष को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि ये वही लोग हैं, जिनकी आस्था तब आहत नहीं होती है, जब कारसेवकों पर गोली चलती है। इसने सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ये वही लोग हैं, जो अपने वोटबैंक के लिए लैंड व लव जिहाद का समर्थन करते हैं। उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बाबरी ढांचा का समर्थन करने वालों को अब भारत की आस्था की चिंता नहीं हैं। इन्हें तो बस अपने वोट बैंक की चिंता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के विकास के मॉडल की वजह से ही सपा और कांग्रेस पीड़ित है। उन्हें इसी बात से चिंता है कि जिन लोगों को जातियों में बांटकर उनका हक मारते थे, उनका अब विकास हो रहा है। ये अब देश की आस्था पर प्रहार कर रहे हैं। सारी ऊर्जा

वहीं लगा रहे। शक्ति केंद्र के संयोजकों को विपक्ष के भ्रमजाल से सतर्क रहने की अपील करते हुए सीएम ने कहा कि आने वाला चुनाव का केंद्र बूथ है। अगर बूथ मजबूत होगा तो चुनाव परिणाम भी भाजपा के पाले में ही आएगा।

सीएम ने कहा कि जब शक्ति केंद्र मजबूत होगा तो बंगाल जैसी जीत मिलने में कोई कठिनाई नहीं होगी। जिस बंगाल को घुसपैठ का अड्डा बना दिया गया था, अराजकता थी और भाजपा के तमाम कार्यकर्ताओं ने बलिदान दिया। वहां मिली जीत बताती है कि हमारा शक्ति केंद्र मजबूत है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यकर्ताओं को उनकी महत्वपूर्ण भूमिका बताई। उन्होंने कहा कि शक्ति केंद्र भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था का केंद्रबिंदु है, जहां एक-एक मतदाता से हमारा संवाद शुरू होता है। उन्होंने कहा, चुनाव विधानसभा, लोकसभा, जिला या प्रदेश स्तर पर नहीं लड़ा जाता चुनाव का केंद्र बिंदु बूथ और शक्ति केंद्र होता है, यह दोनों मजबूत हैं तो चुनाव हमारे पाले में आएगा ही और उसके रखवाले के रूप में शक्ति केंद्र संयोजकों की बड़ी भूमिका है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष ने शक्ति केंद्रों को कार्ययोजना दी है। हर महीने के अंतिम रविवार को हर बूथ-शक्ति केंद्र के कार्यकर्ता 'मन की बात' सुनें और प्रधानमंत्री के कहे गए बिंदुओं को नोट करें। अपने प्रदेश से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा करें। आवश्यक कार्यों को नोट कर उसे लागू करेंगे तो हम लंबे समय तक भाजपा व देश के लिए कार्यकर्ताओं की ऐसी फौज खड़ी कर देंगे, जो राष्ट्र के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण टीम के रूप में दिखाई देगी।

डायल-112 टीम को बनाया बंधक, पीटकर सरकारी मोबाइल और नकदी भी लूटी; चार गिरफ्तार

वाराणसी, एजेंसी। आजमगढ़ जिले के पवई थाना क्षेत्र के चकराम गरीब गांव में शनिवार की रात पारिवारिक विवाद की सूचना पर पहुंची पीआरवी टीम पर हमला करके पुलिसकर्मियों को बंधक बनाने और सरकारी मोबाइल व नकदी लूटने का मामला सामने आया। घटना के बाद पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज करके जांच शुरू कर दी। पुलिस ने रविवार को खंडौरा अंडरपास के पास से चार आरोपी मनोज बिंद, विनय बिंद, संतोष बिंद व वंशराज बिंद निवासी चकराम गरीब को गिरफ्तार कर लिया।

थाना प्रभारी मनीष पाल ने बताया कि चार जुलाई की रात करीब 10.30 बजे डायल-112 पर पारिवारिक विवाद की सूचना मिलने पर पीआरवी-7470 पर तैनात कांस्टेबल भीमसेन और होमगार्ड चालक बलिराम चौहान मौके पर पहुंचे थे। शिकायतकर्ता से बातचीत के दौरान आरोपित पक्ष के लोगों ने पुलिसकर्मियों के साथ अभद्रता शुरू कर दी।

देखते ही देखते लाठी-डंडों से हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने पुलिसकर्मियों की नेमप्लेट तोड़ दी, सरकारी काम में बाधा डाली और उन्हें बंधक बनाकर जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान कांस्टेबल का सरकारी सीयूजी मोबाइल और जेब में रखे 700 रुपये छीन लिए गए।

घटना के बाद पवई थाने में सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट, बंधक बनाने, लूट और अन्य संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया गया। रविवार को पुलिस ने खंडौरा अंडरपास के पास से चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने जुर्म स्वीकार किया है।

सक्षिप्त समाचार

शीशमहल में बनेगा रंग महल

केजरीवाल का पूर्व सीएम आवास बनेगा स्टेट गेस्ट हाउस; ठहरेंगे सरकारी मेहमान

नई दिल्ली, एजेंसी। सिविल लाइंस स्थित 6-फ्लैगस्टाफ रोड का वह सरकारी बंगला, जो पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास के रूप में लंबे समय तक चर्चा में रहा, अब नए स्वरूप में नजर आएगा। इस बंगले का उपयोग अब सरकारी और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए किया जाएगा। गत दिनों हुई बैठक में सरकार ने फैसला किया है कि इस परिसर को दिल्ली सरकार के स्टेट

गेस्ट हाउस और एक आधुनिक कल्चरल सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा। परिसर का उपयोग सरकारी बैठकों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों के स्वागत तथा विशिष्ट अतिथियों के ठहरने के लिए किया जाएगा। दिल्ली सरकार के पास अभी अपना न कोई गेस्ट हाउस और न ही कल्चरल सेंटर है।

अनियमितताओं के चलते भाजपा ने इसे दिया था शीशमहल नाम

यह बंगला उस दौरान कराए गए पुनर्निर्माण में अनियमिताएं सामने आने के कारण चर्चा में रहा था। भाजपा ने इसे चुनावी मुद्दा बनाया था, जिसे शीशमहल नाम दिया था, गत दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कई जगह भाजपा ने चुनावी रथ पर इसका माडल प्रदर्शित किया था। सरकार का कहना है कि अपना स्टेट गेस्ट हाउस नहीं होने से विभिन्न राज्यों और देशों से आने वाले सरकारी प्रतिनिधिमंडलों तथा विशिष्ट अतिथियों के ठहरने के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं करनी पड़ती थीं। नए फैसले के बाद यह कमी दूर होगी और सरकारी मेहमानों के लिए एक स्थायी एवं आधुनिक सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। योजना के अनुसार परिसर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त अतिथि कक्ष विकसित किए जाएंगे।

फ्रांस के म्यूजियम से 40 लाख यूरो की ज्वेलरी चोरी, हाई सिक्योरिटी के बीच दरवाजा तोड़कर घुसे चोर

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के लालिक म्यूजियम में रविवार सुबह चोरों ने बड़ी चोरी को अंजाम दिया। जहां हाई सिक्योरिटी के बावजूद दरवाजा तोड़कर घुसे चोरों ने म्यूजियम से करीब 20 आभूषण चोरी कर ले गए। चोरी की गई आभूषणों की कीमत करीब 40 यूरो (करीब 40 करोड़ रुपए) आंकी जा रही है। समाचार एजेंसी एएफपी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि नकाबपोश चोरों ने पूर्वोत्तर फ्रांस के विंगेन-सुर-मोडर स्थित प्रसिद्ध ललिक म्यूजियम स्थानीय समयानुसार रविवार सुबह करीब 5 :30 बजे दरवाजा तोड़कर घुसे और सीधे आभूषण कक्ष में पहंच गए। इसके बाद चोरों ने करीब 20 क्रिस्टल आभूषण लेकर फरार हो गए। फिलहाल नुकसान का आकलन किया जा रहा है और चोरों को पकड़ने के लिए जांच जारी है। चोरी की घटना के बाद म्यूजियम ने घोषणा की है कि वह कई दिनों तक बंद रहेगा। एएफपी के सूत्रों के अनुसार, अलार्म बजने के बाद सुरक्षा कंपनी जांच कर रही थी, लेकिन उससे पहले एक सफाईकर्मी महिला घटनास्थल पर पहुंची और तुरंत पुलिस को सूचना दी। लेकिन अलार्म बजने के बावजूद चोर पुलिस के पहुंचने से पहले ही भागने में कामयाब रहे। बता दें कि लालिक म्यूजियम शुरुआत 2011 में हुई थी। यह म्यूजियम प्रसिद्ध फ्रांसीसी ज्वेलर और ग्लास कलाकार रेने लालिक तथा उनके उत्तराधिकारियों की कला को समर्पित है। इस म्यूजियम में 650 से अधिक आर्ट नोवो, आर्ट डेको और आधुनिक क्रिस्टल कला की कलाकृतियां प्रदर्शित हैं।

नेपाल बॉर्डर पर बड़ी कार्रवाई: 102 किलो गांजे के साथ भारतीय तस्कर गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पर्सा जिले से मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता सामने आई है। नेपाल पुलिस ने भारी मात्रा में नशीला पदार्थ जब्त करते हुए एक 32 वर्षीय भारतीय नागरिक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी अपनी कार के जरिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारत में गांजे की एक बड़ी खेप सप्लाई करने की फिराक में था। पुलिस ने बताया कि गुड्डू वर्मा को जिले में जगन्नाथपुर ग्राम नगरपालिका से गिरफ्तार किया गया था।

मुहम्मद यूनुस के खिलाफ कोर्ट में शिकायत, खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप

ढाका, एजेंसी। ग्लादेश में अंतरिम सरकार के पूर्व प्रमुख रहे मुहम्मद यूनुस के खिलाफ एक अदालत में शिकायत दर्ज कराई गई है। यूनुस पर देश में खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया गया है। खसरे से अब तक करीब साढ़े सात सौ लोगों की मौत हो चुकी है। सिराजुल इस्लाम के वकील तस्लीमा जहान ने बताया कि ढाका के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट जशिता इस्लाम ने सिराजुल इस्लाम की शिकायत दर्ज की।

दिल्ली दवा घोटाला: सप्लायर नेटवर्क से जुड़े अधिकारियों पर शिकंजा, बैंक खाते खंगाल रहीं जांच एजेंसियां

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी (सीपीए) के जरिए 650 करोड़ रुपये के दवा एवं उपकरण खरीद घोटाले की जांच अब सप्लायर नेटवर्क, उससे जुड़े वित्तीय पहलुओं और अधिकारियों व उनके स्वजनों से संबंधों तक पहुंच गई है। जांच अब केवल खरीद प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पता लगाने पर केंद्रित है कि अनियमितताओं से लाभ किसे मिला और उससे अर्जित संपत्तियां कहां-कहां बनाई गईं। एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सीपीए से जुड़े कारोबारी राजीव अरोड़ा उर्फ राजीव रंगीला, संदीप अरोड़ा और राहुल अरोड़ा उर्फ रंगीला ब्रदर्स की भूमिका की जांच तेज कर दी है। जांच एजेंसियों का मानना है कि घोटाले की कई अहम कड़ियां सप्लायर नेटवर्क और खरीद प्रक्रिया से जुड़े लोगों के बीच संबंधों से जुड़ी हो सकती हैं। इसी कारण अब खरीद आदेशों, भुगतान रिकॉर्ड, कंपनियों की संरचना और उनसे जुड़े व्यक्तियों की भूमिका की गहन पड़ताल की जा रही है। बताया जा रहा है कि पूछताछ के लिए नोटिस जारी होने के बावजूद राजीव रंगीला जांच एजेंसियों के समक्ष उपस्थित नहीं हुए, जबकि उनके एक भाई से पूछताछ की जा चुकी है।

नितिन नवीन के ट्वीट पर भड़की सियासत

केजरीवाल को घेरा तो 'हनुमान स्वरूप' पर सीएम रेखा गुप्ता से भिड़ीं आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शुरू हुई भाजपा और आम आदमी पार्टी के नेताओं की जुबानी जंग अब भगवान हनुमान और धार्मिक आस्था के मुद्दे तक पहुंच गई है।

विवाद की शुरुआत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के एक पोस्ट से हुई, जिसमें उन्होंने विपक्षी नेताओं पर हिंदू धर्म और सनातन के अपमान को लेकर निशाना साधा। इसके जवाब में अरविंद केजरीवाल ने एक लाइन में प्रतिक्रिया दी।

इसके बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पलटवार किया, जबकि नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने लखनऊ में नितिन नवीन की रैली का वीडियो साझा कर भाजपा पर ही भगवान हनुमान के सम्मान को लेकर सवाल खड़े कर दिए। इसके बाद यह विवाद सोशल मीडिया पर तेजी से राजनीतिक बहस का विषय बन गया।

कैसे शुरू हुआ विवाद?: भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का

नाम लेते हुए कहा कि हिंदू धर्म और सनातन को कमजोर नहीं समझना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेता हिंदू देवी-देवताओं और सनातन के कथित अपमान पर चुप्पी साध लेते हैं।

केजरीवाल का एक लाइन का जवाब: नितिन नवीन के पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए अरविंद केजरीवाल ने केवल एक सवाल लिखा- 'आप कौन हैं?' उनका यह संक्षिप्त जवाब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और राजनीतिक प्रतिक्रिया का दौर शुरू हो गया।

सीएम रेखा गुप्ता ने किया पलटवार

केजरीवाल के पोस्ट पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जवाब देते हुए लिखा कि नितिन नवीन भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और कम उम्र में इस पद तक पहुंचने वाले नेताओं में शामिल हैं। उन्होंने केजरीवाल पर तंज कसते हुए लिखा, 'अहंकार तो रावण का भी नहीं टिका... आप कौन? ' रेखा गुप्ता की टिप्पणी के बाद दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने एक्स पर लखनऊ में आयोजित नितिन नवीन की एक रैली का वीडियो साझा किया। वीडियो में हनुमान के वेश में एक कलाकार रथ के आगे नृत्य करता दिखाई दे रहा है।

नवविवाहिता आकृति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई

मौत से कुछ घंटे पहले दी थी पार्टी, दिल्ली में तीसरी मंजिल से गिरकर नवविवाहिता की मौत पर सस्पेंस

नईदिल्ली, एजेंसी। लोधी कॉलोनी थाना क्षेत्र में शनिवार शाम 28 वर्षीय नवविवाहिता आकृति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। उसका शव पुष्प विहार स्थित उसके घर से करीब 10 किलोमीटर दूर एनडीएमसी फ्लैट्स पालिका कुंज में पड़ा मिला। मृतका का पर्स, मोबाइल और चप्पल बी-ब्लाक के तीसरी मंजिल की छत पर पड़े मिले। शुरुआती जांच के बाद ऐसा लग रहा है कि आकृति ने खुदकुशी की। जबकि मायका पक्ष ने पति व ससुराल वालों पर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया है। मायके वालों के मुताबिक आकृति की शादी को महज दो माह 10 दिन ही हुए थे।

शादी के कुछ दिनों बाद ही पति व बाकी ससुराल वालों ने

उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। स्वजन का दावा है कि जहां आकृति की लाश मिली है, वहां खून की एक भी बूंद नहीं मिली है। पुलिस के अलावा क्षेत्रीय एसडीएम मामले की छानबीन कर रहे हैं।

दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल के मुताबिक मामले की जांच जारी है। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी देखे जा रहे हैं। पति उसे साकेत मेट्रो स्टेशन छोड़ने और लेने जाता था। शनिवार शाम करीब छह बजे उसने दफ्तर से निकलने के बाद मां को फोन किया था। इसके बाद 6.40 बजे उसने मां को दोबारा फोन कर साकेत पहुंचने की बात की थी।

क्या है पूरा मामला?

पुलिस के मुताबिक आकृति की 24 अप्रैल को पुष्प विहार निवासी आरस्तु सिक्का नामक युवक से लव कम अरेंज मैरिज हुई थी। आकृति का मायका संगम विहार इलाके में है। परिवार में मां अनुश्रय सुतार और एक भाई अमेय सुतार है। शादी के बाद आकृति साकेत के पुष्प विहार स्थित अपने ससुराल में शिफ्ट हो गई थी। वह आत्मनिर्भर थी और छतरपुर में एक निजी कंपनी में सेल्स टीम में नौकरी करती थी। वहीं आरस्तु बेरोजगार है, उसके पिता एनडीएमसी में सेक्शन आफिसर हैं। आकृति प्रतिदिन मेट्रो से छतरपुर जाती थी।

दिल्ली में बदल जाएगी शराब नीति, सरकार ला रही कड़े नियम; महिलाओं की सुरक्षा होगी और मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति लागू करने के बाद नई आबकारी नीति को अंतिम रूप देने की तैयारी में है। सरकार का उद्देश्य ऐसी पारदर्शी और जवाबदेह आबकारी नीति लागू करना है, जिससे राजस्व में वृद्धि हो, अवैध कारोबार पर रोक लगे और दुकानों के आसपास से गुजरने पर खासकर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जा सके। इस संबंध में गठित समिति अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप चुकी है। रिपोर्ट के आधार पर विभिन्न पहलुओं पर जनता और संबंधित हितधारकों से सुझाव लिए जा रहे हैं, ताकि नई नीति को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक बनाया जा सके। सूत्रों के अनुसार नई आबकारी नीति में राजस्व चोरी रोकने के लिए तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। शराब की आपूर्ति श्रृंखला, स्टॉक और बिक्री पर डिजिटल मॉनिटरिंग बढ़ाने के साथ लाइसेंस प्रणाली में भी कई बदलाव किए जा सकते हैं। सरकार का मानना है कि इससे कर चोरी पर अंकुश लगेगा और आबकारी विभाग के राजस्व में बढ़ोतरी होगी।

ड्रैगन का समुद्र में शक्ति प्रदर्शन: चीन ने पनडुब्बी से दागी बैलिस्टिक मिसाइल, इंडो-पैसिफिक में बढ़ी टेंशन

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने सोमवार को दक्षिण प्रशांत महासागर में अपनी परमाणु संचालित पनडुब्बी से लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। यह परीक्षण ऐसे समय हुआ है जब इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा को लेकर पहले से ही तनाव बना हुआ है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, मिसाइल का प्रक्षेपण सोमवार दोपहर 12 :01 बजे किया गया। मिसाइल में वास्तविक परमाणु हथियार की बजाय डमी (नकली) वारहेड लगाया गया था, जिसका उपयोग आमतौर पर परीक्षण के दौरान उड़ान और लक्ष्य क्षमता की जांच के लिए किया जाता है। न्यूज़ीलैंड सरकार ने पुष्टि की कि चीन ने इस परीक्षण की जानकारी उसे प्रक्षेपण से कुछ घंटे पहले दे दी थी हालांकि, न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने इस घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि चीन को पहले भी इस प्रकार की सैन्य गतिविधियों को लेकर क्षेत्रीय देशों की चिंताओं से अवगत कराया जा चुका है। उन्होंने कहा कि सूचना देना सकारात्मक कदम है, लेकिन इतनी कम अवधि पहले जानकारी देना क्षेत्रीय सुरक्षा और पारदर्शिता से जुड़ी चिंताओं को पूरी तरह दूर नहीं करता। पनडुब्बी से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइलें किसी भी परमाणु शक्ति की दूसरी जवाबी परमाणु क्षमता का अहम हिस्सा मानी जाती हैं। ऐसी मिसाइलें समुद्र में छिपी पनडुब्बियों से दागी जा सकती हैं, जिससे उनका पता लगाना और उन्हें रोकना बेहद कठिन होता है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के परीक्षण चीन की समुद्री परमाणु क्षमता को मजबूत करने और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में उसकी सैन्य मौजूदगी का संकेत देते हैं। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अन्य सहयोगी देशों के लिए चिंता का विषय रही हैं।

भारत के लिए बड़ी राहत: होर्मुज से यूरिया-डीएपी से लदे 15 जहाज सुरक्षित रवाना

तेहरान , एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच भारत के लिए बड़ी राहत की खबर आई है। केंद्र सरकार ने बताया है कि उर्वरक और कच्चा माल लेकर आने वाले 15 जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुके हैं और भारत की ओर बढ़ रहे हैं। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अनुसार, इन जहाजों के सुरक्षित निकलने से देश में उर्वरकों की आपूर्ति पर तत्काल किसी बड़े संकट की आशंका नहीं है। सरकार ने किसानों की जरूरतों को देखते हुए पर्याप्त भंडारण और वितरण की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर ली है।

मंत्रालय के मुताबिक, भारत की ओर आ रहे 15 जहाजों में 8 जहाजों में 3.32 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 4 जहाजों में 2.57 लाख मीट्रिक टन डाइ-अमोनियम फॉस्फेट 3 जहाजों

में 1.11 लाख मीट्रिक टन सल्फर लोड किया गया है। इसके अलावा पांच और जहाज भी भारत के लिए रवाना होने वाले हैं। रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर वैश्विक सप्लाई चेन पर पड़ा है। इसके कारण उर्वरकों की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बढ़ोतरी हुई है और समुद्री शिपमेंट में भी देरी देखी गई है। उन्होंने बताया कि विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों और मिशनों ने संभावित वैश्विक उत्पादकों और आपूर्तिकर्ताओं से संपर्क स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे आपूर्ति व्यवस्था को बनाए रखने में मदद मिली। जेपी नड्डा ने कहा कि उर्वरक विभाग सभी राज्य सरकारों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है, ताकि देश के हर क्षेत्र में उर्वरकों की उपलब्धता बनी रहे और उनका पारदर्शी वितरण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों के हितों की रक्षा और खेती के लिए आवश्यक उर्वरकों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय ने यह भी जानकारी दी कि उर्वरक कारखानों को मिलने वाली प्राकृतिक गैस की आपूर्ति, जो कुछ समय पहले घटकर लगभग 65 प्रतिशत रह गई थी, अब फिर से 100 प्रतिशत बहाल हो चुकी है। इससे घरेलू उर्वरक उत्पादन को भी गति मिलेगी। सरकार के अनुसार, वर्तमान में देश में 197.56 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का स्टॉक उपलब्ध है, जो भारत की 383.9 लाख मीट्रिक टन वार्षिक आवश्यकता का 51 प्रतिशत से अधिक है।

मेलोनी के साथ ट्रंप का विवाद फिर शुरू, नाटो समिट से पहले झगड़े वाला मीम किया शेयर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने रविवार को अपने ट्रुथ

सोशल प्लेटफॉर्म पर एक मीम शेयर करके इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के साथ फिर से विवाद को जन्म दिया है। इस मीम में दिखाया गया था कि मेलोनी उन पर बहुत ज्यादा ध्यान देती हैं। यह घटनाक्रम तुर्किए में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में दोनों नेताओं के शामिल होने से ठीक एक दिन पहले हुआ।

इस तस्वीर में मेलोनी मुस्कुराते हुए और ऊपर की ओर यानी ट्रंप की तरफ देखते हुए दिखाई दे रही हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, रेस्ट्रेनिंग ऑर्डर की जरूरत है। यानी रोकथाम के आदेश की जरूरत। ये तस्वीर उसी दौरान की है जब जी7 समिट में ट्रंप और मेलोनी के बीच विवाद हो गया था। इस पोस्ट लोगों का ध्यान इस वजब से भी गया है क्योंकि उम्मीद है कि ट्रंप और मेलोनी तुर्किए में होने वाले नाटो समिट में दूसरे नेताओं के साथ मिलेंगे। ट्रंप का यह पोस्ट उनके हालिया दावों के बाद आया है, जिनमें उन्होंने कहा था कि जी7 समिट के दौरान मेलोनी ने बार-बार उनसे तस्वीर खिंचवाने के लिए कहा था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि ईरान से जुड़े ऑपरेशन के दौरान इटली ने अमेरिका को अपने रनवे इस्तेमाल करने की इजाजत देने से इनकार कर दिया था।

मेलोनी ने क्या दिया जवाब?

मेलोनी ने इन आरोपों को सख्ती से खारिज किया है। उन्होंने ट्रंप के दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत बताया और कहा, न तो मैं और न ही इटली कभी किसी के सामने गिड़गिड़ाते हैं। कुछ हफ्ते पहले सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप की लगातार आलोचना का जवाब देते हुए मेलोनी ने कहा था, राष्ट्रपति ट्रंप बिना किसी वजह के लगातार किए जा रहे ये हमले बेमतलब हैं।

उन्होंने अपनी लोकप्रियता के बारे में ट्रंप की बातों को भी खारिज करते हुए कहा, मेरी लोकप्रियता इटली के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की मेरी क्षमता पर निर्भर करती है और मैंने हमेशा यही किया है।

मेलोनी ने अमेरिकी मिलिट्री बेस पर इटली के रुख का भी बचाव किया और कहा कि उनका इस्तेमाल मौजूदा समझौतों के तहत होता है, जिनका जब तक मैं प्रधानमंत्री हूं उल्लंघन नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा, इटली एक संप्रभु देश है। वैसे भी मेरी लोकप्रियता आपकी चिंता का विषय नहीं है। मेरा सुझाव है कि आप अपनी लोकप्रियता पर ध्यान दें।

● यह दोस्ती कभी नहीं भूलेंगे

खामेनेई की अंतिम विदाई समारोह में भारत की मौजूदगी पर ईरान ने जताया आभार

तेहरान, एजेंसी। ईरान दूतावास ने रविवार को पूर्व ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम विदाई समारोह में भाग लेने के लिए भारत सरकार और लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। ईरान ने कहा कि यह भाव दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों को दिखाता है।

ईरानी दूतावास ने एक्स पर लिखा,'भारत गणराज्य में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का दूतावास भारत की मित्रवत सरकार और जनता, विशेष रूप से भारत सरकार और जनता की ओर से उपस्थित आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के प्रति हार्दिक आभार और प्रशंसा व्यक्त करता है। जिन्होंने इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के शहीद नेता, महामहिम अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम विदाई समारोह में भाग लिया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।'

ईरान के लोग क्या नहीं भूलेंगे?: भारत की भागीदारी की सराहना करते हुए दूतावास ने कहा, ईरान के लोग मित्रता,

करुणा और हार्दिक सम्मान के इस भाव को कभी नहीं भूलेंगे। वे इसे इस्लामी गणराज्य ईरान और भारत गणराज्य के बीच अटूट संबंधों का एक अनमोल प्रमाण और हमारे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही मित्रता को और मजबूत करने के लिए एक अहम आधार मानते हैं।' पोस्ट में आगे कहा गया कि भारत में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का दूतावास एक बार फिर उन सभी भारतीय अधिकारियों, प्रतिष्ठित व्यक्तियों और भारत के नेक लोगों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है, जो इस दुख की घड़ी में ईरान के लोगों के साथ खड़े रहे और उनके प्रति सहानुभूति व्यक्त की।' विदेश मामलों की राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा और बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने तेहरान में आयोजित अंतिम विदाई समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया। पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, जो अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए थे, उन्होंने खामेनेई को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं, जम्मू और कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, जो अंतिम संस्कार में शामिल हुईं, उन्होंने भी ईरान के साथ एकजुटता व्यक्त की।

संपादकीय

...तो भारत भी फुटबॉल विश्व कप खेलेगा

मुश्किल से चार हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले केप वर्दे की आबादी पांच लाख के करीब है. पांच जुलाई को पुर्तगाल से अपनी स्वतंत्रता की 41वीं वर्षगांठ मनाने जा रहे इस पश्चिम अफ्रीकी राष्ट्र के बारे में फीफा विश्वकप-2026 से पहले अधिकांश भारतीय अनभिज्ञ थे. भारत में किसी जिले के आकार के केप वर्दे ने विश्व कप में अपने अविश्वसनीय प्रदर्शन से दुनिया को अचंभित कर दिया. दक्षिणी कैरेबियाई सागर में केवल 444 वर्ग किलोमीटर आकार का कुरासाओ भी एक फुटबॉल प्रेमी देश है. इस द्वीप की आबादी केवल डेढ़ लाख है और विश्व कप फुटबॉल में वह अपनी छाप छोड़ गया. सातों दिन चौबीसों घंटे क्रिकेट के खुमार में डूबे भारत को केप वर्दे और कुरासाओ ने अपने प्रदर्शन से सोचने के लिए विवश कर दिया है. तकरीबन 147 करोड़ की जनसंख्या जिस देश की है, वह क्यों फीफा विश्व कप प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाता? पड़ोसी चीन का हाल भी हमसे अलग नहीं है. लेकिन 142 करोड़ की आबादी वाला चीन 2002 फीफा विश्व कप प्रतियोगिता में खेला था. अर्थात तुलनात्मक रूप से भारत के मुकाबले चीन फुटबॉल में बेहतर स्थिति में है. लेकिन इस विवेचन से उभरा तथ्य यही है कि आबादी का कम या अधिक होना फुटबॉल की विश्व कप प्रतियोगिता में हाजिरी का मानक नहीं हो सकता. यह तथ्य विचारणीय है कि पांच लाख की आबादी वाले देश में फीफा विश्व कप की टीम चुनने योग्य खिलाड़ी हैं तो क्या हमारी डेढ़ सौ करोड़ के करीब जनसंख्या में 100 अव्वल दर्जे के फुटबॉलर नहीं मिल पाएंगे! विशाल आबादी को एक शक्ति मानकर चलने और फुटबॉल के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव से यह संभव है. बेशक इसमें कुछ वक्त लग सकता है लेकिन इस शानदार खेल के भारत में परिचालकों की इच्छाशक्ति यदि दृढ़ हो तो नामुमकिन कुछ भी नहीं.फुटबॉल के विकास के लिए बुनियादी ढांचे का मजबूत होना बेहद लाजमी है और इसी की कमी भारत में है. पिछले दिनों रायपुर में खेलो इंडिया आदिवासी खेलों के आयोजन के दौरान एक प्रेस कांफ्रेंस में मैंने इसी संदर्भ में पूर्व दिग्गज भारतीय फुटबॉलर बाइचुंग भूटिया से सवाल किया था. उन्होंने दस मिनट तक इस सवाल का जवाब दिया, जिसका लब्बोलुआब यही रहा कि हमारे देश में फुटबॉल की बुनियादी संरचना वैसे भी कमजोर है और जिन लोगों के हाथों में इसकी कमान है उन्होंने निजी स्वार्थ के लिए इसे और लिजलिजा बनाकर रख दिया है. भूटिया ने भारतीय फुटबॉल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष पर पहुंचाने के लिए पूरे सिस्टम में बदलाव की वकालत की. बात सही है. फुटबॉल के ढांचे में सुधार के लिए राज्यों के एसोसिएशन की कार्यप्रणाली में सुधार की दरकार है. हमारे देश में जिला-राज्य स्तर पर फुटबॉल काफी खेला जाता है लेकिन यह नाकाफी है. भारतीय टीम को फीफा विश्व कप में देखने के लिए दीर्घकालिक योजना की आवश्यकता है.

इसके तहत बच्चों के लिए हर जिले में फुटबॉल अकादमियां बनाई जाएं, स्कूलों में नियमित फुटबॉल प्रतियोगिताएं हों, प्रशिक्षित और लाइसेंसधारी कोचों की संख्या बढ़ाई जाए और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कम उम्र में पहचान कर उन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया जाए. फुटबॉल में क्रिकेट के बनिस्बत कोच की अहमियत बहुत ज्यादा होती है. इसलिए प्रशिक्षित कोचों की पौध भी विकसित करनी होगी.विदेशी विशेषज्ञों से भारतीय कोचों को प्रशिक्षण दिलाना होगा. फुटबॉल के ढांचे में सुधार के लिए आधुनिक तकनीक का प्रयोग भी किया जा सकता है. जैसे डाटा विश्लेषण के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) का प्रयोग तार्किक होगा. इसके अलावा कई तरह के प्रशासनिक सुधार भी आवश्यक हैं. चयन प्रक्रिया पारदर्शी हो, तकनीकी निदेशक और विशेषज्ञों को निर्णय लेने में अधिक भूमिका मिले. भारत में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, लेकिन उसे मंच उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।

प्लास्टिक थैलियों से मुक्ति पाने की चुनौती

देवेंद्रराज सुथार

प्रतिवर्ष तीन जुलाई को अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत यूरोप के पर्यावरण संगठनों की पहल से वर्ष 2008 में हुई थी. इसका मूल उद्देश्य एकल उपयोग प्लास्टिक थैलियों के अंधाधुंध प्रयोग के प्रति जनमानस को जागरूक करना और वैकल्पिक, पर्यावरण अनुकूल साधनों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के आंकड़े बताते हैं कि विश्व में प्रतिवर्ष लगभग पांच खरब प्लास्टिक थैलियों का उपयोग किया जाता है, जिनमें से अधिकांश का जीवनकाल मुश्किल से कुछ मिनटों का होता है, जबकि प्रकृति में इनके अपघटन में सैकड़ों वर्ष लग जाते हैं. भारत में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार प्रतिदिन लगभग 26 हजार टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसका एक बड़ा हिस्सा नदियों, नालों और समुद्र में जाकर जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को गंभीर क्षति पहुंचाता है.

विश्व स्तर पर कई देशों ने प्लास्टिक थैलियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए हैं. रवांडा और केन्या जैसे अफ्रीकी देशों ने पूर्ण प्रतिबंध लागू कर मिसाल कायम की है, वहीं यूरोपीय संघ के देशों में प्लास्टिक थैलियों पर भारी शुल्क लगाकर उनके उपयोग में उल्लेखनीय कमी लाई गई है. फ्रांस और आयरलैंड में यह मॉडल विशेष रूप से सफल रहा, जहां शुल्क लागू होने के कुछ ही वर्षों में उपभोग में नब्बे प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई. प्लास्टिक थैलियों की समस्या मृदा उर्वरता, जल स्रोतों की शुद्धता और वन्यजीवों के जीवन के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करती है.

समुद्री जीव-जंतु प्रायः प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं, जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है. पशुओं द्वारा प्लास्टिक थैलियां निगलने से होने वाली मृत्यु की घटनाएं भारत के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में भी आम होती जा रही हैं. वैज्ञानिक अध्ययनों में यह भी सामने आया है कि सूक्ष्म प्लास्टिक कण अब मानव रक्त, फेफड़ों और अंगों में भी पाए जाने लगे हैं.

भारत सरकार ने जुलाई 2022 से एकल उपयोग प्लास्टिक की कुछ श्रेणियों पर प्रतिबंध लागू किया, परंतु धरातल पर इसका क्रियान्वयन अब भी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है. छोटे विक्रेताओं और असंगठित बाजारों में निगरानी की कमी के कारण प्रतिबंध प्रायः कागजों तक सीमित रह जाता है. कपड़े, जूट और कागज से निर्मित थैलियों को बढ़ावा देने की दिशा में कई राज्यों ने पहल की है, विशेषकर सिक्किम और हिमाचल प्रदेश को इस दिशा में अग्रणी राज्य माना जाता है. यह उल्लेखनीय है कि प्लास्टिक निर्माण उद्योग रोजगार और अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा है, इसलिए प्रतिबंध के साथ-साथ जैव अपघटनीय विकल्पों में निवेश की भी आवश्यकता है.

आज का कार्टून

आत्मनिर्भर ग्राम पंचायतों का सपना कितना व्यावहारिक?

आत्मनिर्भर पंचायतों का विचार निश्चित रूप से सही है। अगर यह मूर्त रूप ले लेता है, तो इससे गांवों की सूरत बदल सकती है। मगर इस विचार को धरातल पर उतारने के लिए गांव की हकीकत को समझना आवश्यक है। गांवों की वास्तविकताओं को ध्यान में रखकर ही पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सार्थक कदम उठाए जा सकते हैं। असली चुनौती कर वसूली नहीं है, बल्कि पंचायतों में ऐसी क्षमता विकसित करना बड़ी चुनौती होगी, जिससे वे अपने संसाधनों की पहचान कर सकें, उनका बेहतर उपयोग कर सकें और गांव के लोगों का भरोसा जीत सकें। यदि यह काम हो गया, तो आत्मनिर्भर पंचायत केवल सरकारी लक्ष्य नहीं, बल्कि गांवों की बदलती तस्वीर की वास्तविक कहानी बन सकती है।

अमरपाल सिंह वर्मा

सरकार ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। इसके लिए हाल में जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सरकार का मानना है कि देश में बदलाव की असली शुरुआत गांवों से ही संभव है। इसी सोच के तहत अब ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर बल दिया जा रहा है। इसके पीछे तर्क है कि यदि पंचायतें अपने स्रोतों से आय अर्जित करेंगी, तो वे अपने क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार सड़क, पेयजल, सफाई, प्रकाश व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर खर्च कर सकेंगी।

इससे विकास कार्यों में तेजी आएगी, सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा और सरकारी अनुदानों पर निर्भरता कम होगी। सरकार का यह भी मानना है कि मजबूत और आत्मनिर्भर पंचायतें ही विकसित भारत के सपने को साकार कर सकती हैं, लेकिन क्या पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाना वास्तव में इतना आसान है?

यह सवाल इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि आजादी के बाद से गांवों के विकास की जो व्यवस्था बनी, उसमें पंचायतों की भूमिका तो बढ़ती गई, लेकिन उनकी आर्थिक ताकत उतनी नहीं बढ़ पाई। पंचायतों के कामकाज का बड़ा हिस्सा केंद्र और राज्य सरकारों से मिलने वाले अनुदानों पर निर्भर रहा है। आज भी अधिकांश पंचायतें स्वयं की आय के बजाय सरकारी योजनाओं और अनुदानों पर अधिक निर्भर हैं। ऐसे में पंचायतों से आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने की अपेक्षा पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

सरकार का कहना है कि आर्थिक आत्मनिर्भरता का मतलब केवल पैसा जुटाना नहीं है। सरकारी दस्तावेजों में आर्थिक आत्मनिर्भरता को केवल राजस्व जुटाने तक सीमित नहीं माना गया है। इसके पीछे सोच यह है कि पंचायतों को स्थानीय जरूरतों के अनुसार प्राथमिकताएं तय करने और फैसले लेने की अधिक स्वतंत्रता मिले। यदि पंचायतों की अपनी आय होगी, तो वे यह तय कर पाएंगी कि गांव में सबसे जरूरी काम टूटी सड़क बनवाना है या पेयजल व्यवस्था सुधारना, सार्वजनिक भवनों की मरम्मत कराना अथवा सफाई व्यवस्था को मजबूत करना ज्यादा जरूरी है।

केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय की रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि पिछले कुछ वर्षों में ग्राम पंचायतों की भूमिका बदली है। वे अब केवल योजनाओं को लागू करने वाली संस्थाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार हैं। इसके बावजूद पंचायतों की वित्तीय निर्भरता की समस्या यथावत बनी हुई है।

पंचायतों की आत्मनिर्भरता की वास्तविक स्थिति का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि हाल में दिल्ली में दिए गए राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों में देश भर की केवल चार पंचायतों को ही 'आत्मनिर्भर आधारभूत संरचना' श्रेणी में सम्मानित किया गया है। सर्वविदित है कि देश की अधिकांश ग्राम पंचायतों की आय का बड़ा हिस्सा राज्य और केंद्र सरकार से मिलने वाले अनुदानों से आता है। अपने स्तर पर राजस्व जुटाने का अधिकार होने के बावजूद पंचायतों ने इस दिशा में अपेक्षित प्रगति नहीं की है।

सवाल है कि पंचायतें आय बढ़ाएंगी कैसे? कानूनी रूप से पंचायतों के पास कई अधिकार हैं। वे भवन कर लगा सकती हैं, सफाई कर और पथ-प्रकाश कर वसूल सकती हैं। यहां तक कि जल उपयोग शुल्क ले सकती हैं। गांवों में लगने वाले हाट-बाजार, मेले, सामुदायिक भवनों, दुकानों के किराए और अन्य स्थानीय संसाधनों से भी आय अर्जित कर सकती हैं। लेकिन कागजों पर दिखाई देने वाले ये स्रोत यथार्थ के धरातल पर उतने प्रभावी नहीं होते। गांवों में कर वसूली का विषय केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक भी है। सरपंच और वार्ड पंच उन्हीं लोगों के बीच रहते हैं, जिनसे उन्हें कर वसूलना होता है। ऐसे में कर लगाने या वसूली करने पर प्रायः विरोध का सामना करना पड़ता है। भौगोलिक दृष्टि से बड़े राज्य राजस्थान पर नजर डालें, तो चुनौती और स्पष्ट दिखाई देती है। यहां की अधिकांश पंचायतों के पास न तो बड़े बाजार हैं, न औद्योगिक इकाइयां और न ही पर्यटन से जुड़ी आय। ज्यादातर जिलों की पंचायतें आज भी मुख्य रूप से कृषि और सरकारी योजनाओं पर निर्भर हैं। राज्य की अधिकांश ग्राम पंचायतों के पास ऐसे संसाधन नहीं हैं, जिनसे पर्याप्त राजस्व प्राप्त हो सके। कुछ पंचायतों के पास बाजार, व्यावसायिक गतिविधियां, पर्यटन स्थल या आय के अन्य स्रोत मौजूद हैं, लेकिन अधिकांश पंचायतें कृषि आधारित अर्थव्यवस्था पर निर्भर हैं। वहां स्थानीय आय बढ़ाने की संभावनाएं सीमित हैं।

ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या सभी पंचायतों को एक ही पैमाने से मापा जा सकता है? क्या सीमावर्ती रेगिस्तानी क्षेत्र की पंचायत और किसी विकसित कस्बे से सटी पंचायत की स्थिति एक समान है? क्या आर्थिक रूप से कमजोर गांवों से भी वही अपेक्षा जायज है, जो अपेक्षाकृत संपन्न क्षेत्रों से की जाती है? इन सवालों के जवाब तलाशना जरूरी है, क्योंकि केवल लक्ष्य तय कर देने से उपलब्धियां हासिल कर पाना संभव नहीं होता।

तमाम समस्याओं के बावजूद पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है, क्योंकि पंचायतों की आर्थिक मजबूती के बिना वास्तविक विकेंद्रीकरण संभव नहीं है। यदि पंचायतों के पास खुद के संसाधन होंगे, तो उन्हें छोटी-छोटी जरूरतों के लिए हर बार सरकार की ओर नहीं देखना पड़ेगा। आत्मनिर्भर होने की स्थिति में स्थानीय समस्याओं का समाधान अधिक तेजी से हो सकेगा और पंचायतें लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्य कर सकेंगी। लेकिन इसके लिए केवल राजस्व वसूली के लक्ष्य तय करना पर्याप्त नहीं होगा। सबसे पहले पंचायतों के संसाधनों की वास्तविक स्थिति का आकलन करना होगा। यह समझना होगा कि किस पंचायत के पास आय के कौन-कौन से संभावित स्रोत मौजूद हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय करों की परंपरा कमजोर रही है, इसलिए नई कर व्यवस्था को स्वीकार करवाना आसान नहीं होगा। आत्मनिर्भर पंचायत का अर्थ यह नहीं है कि वे अपने खर्च का पैसा खुद जुटाएं। इसका वास्तविक अर्थ यह है कि पंचायत अपने गांव के विकास की दिशा तय करने में सक्षम हो, लोगों की भागीदारी के साथ फैसले ले सके और स्थानीय जरूरतों के अनुसार काम कर सके। हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की जड़ें गांवों में हैं। यदि पंचायतें आर्थिक रूप से मजबूत होंगी, तो इसका लाभ केवल गांवों को नहीं, बल्कि पूरे देश को मिलेगा। मगर इसके लिए समय, तैयारी, क्षमता निर्माण और स्थानीय परिस्थितियों को समझने वाली नीतियों की जरूरत होगी।

आत्मनिर्भर पंचायतों का विचार निश्चित रूप से सही है। अगर यह मूर्त रूप ले लेता है, तो इससे गांवों की सूरत बदल सकती है। मगर इस विचार को धरातल पर उतारने के लिए गांव की हकीकत को समझना आवश्यक है।

गांवों की वास्तविकताओं को ध्यान में रखकर ही पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सार्थक कदम उठाए जा सकते हैं। असली चुनौती कर वसूली नहीं है, बल्कि पंचायतों में ऐसी क्षमता विकसित करना बड़ी चुनौती होगी, जिससे वे अपने संसाधनों की पहचान कर सकें, उनका बेहतर उपयोग कर सकें और गांव के लोगों का भरोसा जीत सकें। यदि यह काम हो गया, तो आत्मनिर्भर पंचायत केवल सरकारी लक्ष्य नहीं, बल्कि गांवों की बदलती तस्वीर की वास्तविक कहानी बन सकती है।

हम धीरे-धीरे खुद से दूर होते जा रहे हैं...

शायद इंसान की सबसे बड़ी जरूरत आज यही है कि वह फिर से ठहरना सीखे। कुछ देर बिना स्क्रीन के बैठे, अपने आसपास के लोगों को देखे, बातचीत को केवल शब्दों तक सीमित न रखे। मौन भी जीवन का हिस्सा है और अनुपस्थिति भी। हर समय उपलब्ध रहने की कोशिश में आदमी यदि खुद से ही दूर हो जाए, तो यह सुविधा नहीं, एक नया संकट बन जाता है। जीवन केवल प्रतिक्रिया देने का नाम नहीं है। कभी-कभी दुनिया से थोड़ा दूर होकर अपने भीतर लौटना भी जरूरी है, क्योंकि जो आदमी हर समय सबके लिए उपलब्ध रहता है, वह धीरे-धीरे खुद अपने लिए अनुपलब्ध होने लगता है।

राकेश खुडिया

आज आदमी के पास संवाद के साधन पहले से कहीं अधिक हैं, मगर शायद वह पहले से ज्यादा घिरा हुआ भी है। मोबाइल की एक घंटी, संदेश की एक ध्वनि या स्क्रीन पर चमकती एक छोटी-सी सूचना उसे हर पल याद दिलाती रहती है कि उसे उपलब्ध रहना है। अब आदमी केवल अपने काम से नहीं, बल्कि हर समय जवाब देने की अपेक्षाओं से भी थकने लगा है। ऐसा लगता है जैसे आधुनिक जीवन ने उससे उसका एकांत, मौन और निजी समय धीरे-धीरे छीन लिया हो।

एक समय था जब आदमी घर से बाहर निकलता था, तो कुछ घंटों के लिए सचमुच बाहर हो जाता था। लोग जानते थे कि वह लौटकर आएगा, तब बात हो जाएगी। अगर कोई पत्र आता था, तो उसके जवाब में दिनों का अंतर स्वाभाविक माना जाता था। रिश्तों में धैर्य था और प्रतीक्षा में अपनापन। मगर आज स्थिति बिल्कुल बदल चुकी है। अब अगर कोई फोन कुछ देर तक न उठे, तो चिंता, नाराजगी या शक पैदा होने लगता है। आदमी से केवल संपर्क नहीं, बल्कि तत्काल प्रतिक्रिया की उम्मीद की जाने लगी है। तकनीक ने जीवन को आसान अवश्य बनाया है। दूर बैठे लोग तुरंत जुड़ जाते हैं, जरूरी सूचनाएं पल भर में पहुंच जाती हैं और कामकाज की गति तेज हो गई है। मगर इसी सुविधा के साथ एक अदृश्य दबाव भी पैदा हुआ है। अब आदमी हर समय किसी न किसी स्क्रीन से बंधा हुआ है। वह जहां भी जाता है, मोबाइल उसके साथ चलता है। पहले लोग अपने घर की चाबी जेब में रखते थे, अब पूरा संसार उसकी जेब में रहता है और वही संसार हर समय उससे जवाब मांगता रहता है।

इस दबाव का सबसे बड़ा असर लोगों की मानसिक शांति पर पड़ा है। पहले दिन का एक समय ऐसा होता था, जब आदमी अपने भीतर लौटता था। रात का भोजन, परिवार के साथ बातचीत, छत पर टहलना, पड़ोसी से हालचाल पूछ लेना-ये सब जीवन के सहज हिस्से थे।

अब वही समय मोबाइल की स्क्रीन में सिमट गया है। आदमी घर में बैठा होता है, मगर उसका ध्यान किसी संदेश, वीडियो या सूचना में उलझा रहता है। परिवार एक ही कमरे में मौजूद रहता है, लेकिन सबकी दुनिया अलग-अलग स्क्रीन में बंटी होती है। पहले काम का एक निश्चित समय होता था। दफ्तर बंद हुआ, तो काम भी समाप्त माना जाता था। अब काम आदमी के साथ घर तक लौट आता है।

धीरे-धीरे इंसान को यह लगने लगता है कि अगर वह हर समय उपलब्ध नहीं रहा, तो पीछे छूट जाएगा। यह भय उसे लगातार मानसिक रूप से सक्रिय बनाए रखता है और वही सक्रियता धीरे-धीरे थकान में बदल जाती है। यह दबाव केवल नौकरीपेशा लोगों तक सीमित नहीं है। बच्चों और युवाओं के जीवन में भी यह तेजी से बढ़ रहा है। नई पीढ़ी ऐसे समय में बड़ी हो रही है, जहां हर समय ऑनलाइन बने रहना सामान्य माना जाता है। अगर कोई व्यक्ति कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से दूर रहे, तो उसे लगता है कि वह दुनिया से कट गया है। मित्रता भी अब कई बार निरंतर संपर्क पर आधारित होने लगी है। पहले दोस्त महीनों बाद भी उसी आत्मीयता से मिलते थे, मगर अब कई बार जवाब में थोड़ी देर भी दूरी पैदा कर देती है।

विडंबना यह है कि संवाद के इतने साधनों के बावजूद आदमी भीतर से अधिक अकेला होता जा रहा है। कारण यह है कि निरंतर संपर्क हमेशा आत्मीयता नहीं पैदा करता। कई बार लोग केवल प्रतिक्रिया देते रहते हैं, लेकिन वास्तव में किसी के साथ जुड़ नहीं पाते। वे सैकड़ों संदेश पढ़ते हैं, मगर किसी की बात मन से नहीं सुनते। उनकी उंगलियां लगातार चलती रहती हैं, लेकिन उनका मन धीरे-धीरे थकने लगता है।

इस पूरे बदलाव का एक सामाजिक पक्ष भी है। आज 'व्यस्त' दिखाई देना एक प्रकार की उपलब्धि माना जाने लगा है। अगर कोई आदमी कहे कि उसके पास समय है, तो उसे कम महत्त्व का समझ लिया जाता है। लोग अपनी थकान और व्यस्तता को भी प्रतिष्ठा की तरह दिखाने लगे हैं। हर समय उपलब्ध रहना अब जिम्मेदारी से अधिक सामाजिक दबाव बन गया है। आदमी कई बार अपने आराम को भी अपराधबोध की तरह महसूस करता है।

गांवों और छोटे कस्बों में भी यह परिवर्तन साफ दिखाई देता है। पहले चौपाल, चाय की दुकान या घर के बाहर बैठकर बातचीत का चलन था। लोग बिना किसी जल्दबाजी के एक-दूसरे की बातें सुनते थे। अब वहां भी बातचीत के बीच मोबाइल बार-बार हस्तक्षेप करता है। कोई वीडियो दिखा रहा है, कोई बात कर रहा है, कोई संदेश पढ़ रहा है।

यह भी सच है कि समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके साथ हमारे संबंध में है। मोबाइल और इंटरनेट ने जीवन के अनेक कार्य सरल किए हैं। लेकिन जब आदमी अपने समय पर स्वयं का नियंत्रण खोने लगे, तब वही सुविधा बोझ बन जाती है। यह तय करना सीखना होगा कि हर संदेश का तुरंत जवाब देना जरूरी नहीं है, हर समय उपलब्ध रहना आवश्यक नहीं है और कुछ समय केवल अपने लिए बचाकर रखना भी जीवन का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।

शायद इंसान की सबसे बड़ी जरूरत आज यही है कि वह फिर से ठहरना सीखे। कुछ देर बिना स्क्रीन के बैठे, अपने आसपास के लोगों को देखे, बातचीत को केवल शब्दों तक सीमित न रखे। मौन भी जीवन का हिस्सा है और अनुपस्थिति भी। हर समय उपलब्ध रहने की कोशिश में आदमी यदि खुद से ही दूर हो जाए, तो यह सुविधा नहीं, एक नया संकट बन जाता है। जीवन केवल प्रतिक्रिया देने का नाम नहीं है। कभी-कभी दुनिया से थोड़ा दूर होकर अपने भीतर लौटना भी जरूरी है, क्योंकि जो आदमी हर समय सबके लिए उपलब्ध रहता है, वह धीरे-धीरे खुद अपने लिए अनुपलब्ध होने लगता है।

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया फाइनल के बाद टॉप-10 बल्लेबाज व गेंदबाज

श्री चरणी का जलवा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार (5 जुलाई) को इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर 7वीं बार महिला टी20 विश्व कप का खिताब जीता। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन इंग्लैंड की डैनी व्याट हॉज ने बनाए। उन्होंने 302 रन बनाए ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी दूसरे नंबर पर रहीं। उन्होंने 238 रन बनाए। इंग्लैंड की नट साइवर ब्रंट तीसरे नंबर पर रहीं। टॉप-10 बल्लेबाजों में दो भारतीय स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा भी हैं।

स्मृति ने 205 और शैफाली ने 179 रन बनाए। टॉप-10 गेंदबाजों की बात करें तो भारतीय स्पिनर श्री चरणी शीर्ष पर रहीं। उन्होंने 15 विकेट लिए। इंग्लैंड की सोफी मोलिन्यू दूसरे, पाकिस्तान की फातिमा सना तीसरे नंबर रही। दोनों ने 1-1 विकेट लिए। इंग्लैंड सोफी एक्लेस्टोन चौथे और हेली मैथ्यूज चौथे नंबर पर रहीं। दोनों ने 10-10 विकेट लिए। इंग्लैंड की शार्लेट डीन ने भी 10 विकेट झटके।

ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता खिताब

फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया

लंदन (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉर्ड्स में खेला गया। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने बेथ मूनी और फीबी लिचफील्ड की शानदार पारी व शतकीय साझेदारी के दम पर मैच को 7 विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 7वीं बार महिला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने का गौरव हासिल किया। इंग्लैंड का अपने घर में चैंपियन बनने का सपना टूट गया और उसे उप-विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था और इसके बाद इंग्लैंड की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 150 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 151 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 17.1 ओवर में 3 विकेट पर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पारी में बेथ मूनी का शानदार अर्धशतक

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम की ओपनर जॉर्जिया वोल 9 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठीं। फीबी लिचफील्ड ने 35 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली और आउट हो गईं, लेकिन उन्होंने दूसरे विकेट के लिए बेथ मूनी के साथ मिलकर 67 गेंदों पर 100 रन की साझेदारी की। बेथ मूनी ने अपना अर्धशतक 38 गेंदों पर पूरा किया और उन्होंने 49 गेंदों पर 64 रन की शानदार पारी खेली। एलिस पेरी 13 रन बनाकर जबकि एश्ले गार्डनर 3 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड के लिए शार्लेट डीन, लॉरेन बेल और सोफी एक्लेस्टोन ने एक-एक विकेट लिए।

इंग्लैंड की घर में पहली हार

- ऑस्ट्रेलिया तीसरी बार बगैर हारे बना चैंपियन, बेथ मूनी ने रचा इतिहास

महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में इंग्लैंड की टीम रविवार (5 जुलाई) को पहली बार घरेलू सरजमीं पर हारी और दूसरी बार खिताब जीतने का उसका सपना टूट गया। वह घरेलू सरजमीं पर महिला टी20 विश्व कप में 12 मैच में 11 जीत दर्ज की है। वह पहली बार अपनी मेजाबनी में विश्व कप हारी। ऑस्ट्रेलिया ने उसका विजय रथ रोककर 7वीं बार खिताब अपने नाम किया। वह तीसरी बार टूर्नामेंट में एक भी मैच हारे बगैर चैंपियन बनी।

ऑस्ट्रेलिया की जीत में बेथ मूनी ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लगातार तीसरी बार फाइनल में अर्धशतक लगाया। बेथ मूनी महिला टी20 वर्ल्ड कप में दो बार प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी भी बनीं। इससे पहले वह 2020 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं। पुरुषों में यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है।

प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड

मूनी टी20 वर्ल्ड कर फाइनल (2023 और 2026) में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं। मार्लन सैमुअल्स पुरुषों (2012 और 2016) में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले अकेले खिलाड़ी हैं। मूनी महिला टी20 विश्व कप के एक संस्करण में फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी बनीं। 2024 में अमेलिया केर भी फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं।

दासुन शनाका ने 4 गेंद पर झटके 4 विकेट, चेन्नई सुपर किंग्स की टीम हारी

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 में दासुन शनाका ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स की टीम टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ सिएटल ऑर्कस को जीत दिला दी। टेक्सास सुपर किंग्स को आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए थे। शनाका ने 4 गेंद पर 4 विकेट झटके और टेक्सास सुपर किंग्स ने 9 रन से जीत दर्ज की।

जीत के लिए 122 रन का पीछा करते हुए टेक्सास सुपर किंग्स ने आखिरी ओवर में 107 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। डोनोवन फरेरा और शुभम रंजना क्रीज पर थे। फरेरा ने 19वें ओवर में एक चौका और एक छक्का लगाया था। फिर रंजना ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर शनाका को चौका जड़ा, जिससे पांच गेंदों पर 11 रन चाहिए थे।

शनाका ने फरेरा, सैवेज, मिल्ने और डी सिल्वा को आउट किया- दो गेंद बाद फरेरा एक धीमी गेंद पर आउट हो गए। फिर केल्विन सैवेज लॉन्ग-ऑन पर कैच आउट हुए। एडम मिल्ने ने हैट्रिक गेंद का सामना किया और बड़े शॉट के प्रयास में आउट हो गए। शनाका ने आखिरी गेंद पर अमशी डी सिल्वा को शिमरोन हेटमायर के हाथों कैच करा दिया।

नेमार ने लिया संन्यास

पेले के क्लब में हुए शामिल

नॉर्वे से हारकर ब्राजील बाहर

न्यूजर्सी (एजेंसी)।। ब्राजील के सर्वकालिक शीर्ष गोल स्कोरर नेमार जूनियर ने रविवार (5 जुलाई) को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने यह ऐलान ब्राजील के फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के बाद की। नॉर्वे के खिलाफ राउंड ऑफ 16 में उसे 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। 1990 के बाद पहली बार ब्राजील इतना जल्दी वर्ल्ड कप से बाहर हुआ है।

नेमार ने अतिरिक्त समय के 10वें मिनट में पेनल्टी से मैच का एकमात्र गोल दागा, जिससे ब्राजील के लिए 130 मैचों में उनके गोलों की संख्या 80 हो गई, साथ ही उन्होंने 59 असिस्ट भी किए। दिग्गज पेले के मुकाबले उन्होंने 3 गोल ज्यादा किए हैं। वह पेले के अलावा चार विश्व कप में गोल करने वाले दूसरे ब्राजीलियाई खिलाड़ी बने। नेमार ने ब्राजील के लिए 130 मैच खेले। कैफू ने (142) उनसे ज्यादा मैच खेले हैं।

नेमार रोते हुए जमीन पर बैठ गए

न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में आखिरी सीटी बजने के बाद नेमार रोते हुए जमीन पर बैठ गए। साथी खिलाड़ियों ने उन्हें मनाया। मैच के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मैंने कोशिश की। इसकी शुरुआत मेट लाइफ स्टेडियम में हुई और यहीं इसका अंत हुआ।' नेमार ने अगस्त 2010 में मेटलाइफ स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में ब्राजील के लिए डेब्यू किया और अपना पहला इंटरनेशनल गोल किया।

नेमार की फिटनेस बनी समस्या- फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले नेमार की फिटनेस चर्चा का विषय बनी हुई थी, लेकिन चिंताओं के बावजूद मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने उन्हें 26 सदस्यीय टीम में शामिल किया। दाहिने पैर की पिंडली में चोट लगने की वजह से नेमार टूर्नामेंट में ब्राजील के पांच मैचों में से सिर्फ दो में ही खेले। वह ग्रुप प्ले में स्कॉटलैंड के खिलाफ 15 मिनट तक मैदान पर रहे और नॉर्वे के खिलाफ 67वें मिनट में मैदान पर आए।

'उन्हें जेल में देखकर बहुत बुरा लगता है'

- पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर इमरान खान को लेकर कपिल देव ने जाहिर किया अपना दर्द

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व पीएम इमरान खान को लेकर अपने मन की बात कही। एक इंटरव्यू के दौरान कपिल देव ने इमरान खान को लेकर खुलकर बातें की और बताया कि वो किस तरह से इंसान थे। कपिल देव ने साफ तौर पर कहा कि एक ऐसा खिलाड़ी जिसने अपने देश के लिए वर्ल्ड कप जीता और फिर देश का प्रधानमंत्री भी बना उसके साथ इस तरह का व्यवहार देखकर बुरा लगता है।

इमरान की लाइफ स्टाइल को छू भी नहीं सकते

कपिल देव ने स्पोर्ट्स तक पर इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि क्या आपकी इमरान से दोस्ती थी तो उन्होंने कहा कि मैं ऐसा तो नहीं कहूंगा, लेकिन जब जरूरत होती थी हम बैठकर बात करते थे। वो भी पंजाबी थे और मुझे भी पंजाबी समझ में आती थी तो हम आसानी से एक-दूसरे की बात समझ लेते थे। इमरान खान की लाइफ स्टाइल को तो हम छू भी नहीं सकते। उनका लाइफस्टाइल काफी अलग था और ऐसा हमेशा रहा। इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट के दौरान भी ऐसा ही था।

'मेरे साथ कई बार धोखा हुआ'

पृथ्वी शॉ की मंगेतर आकृति ने किसके लिए लिखा ऐसा, क्या दोनों की राहें हुई जुदा?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ एक बार फिर से चर्चा में हैं। रविवार को उनकी मंगेतर आकृति अग्रवाल ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की जिसमें उन्होंने दावा किया कि उन्हें एक बार नहीं बल्कि कई बार धोखा दिया गया है। आकृति के इस पोस्ट के बाद पृथ्वी शॉ और उनके रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। आईपीएल 2026 सीजन से पहले जब दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें खिलाड़ियों की नीलामी में खरीदा था उससे पहले ही पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल की सगाई हो गई थी।

क्या पृथ्वी और आकृति में हुआ अलगाव

आकृति ने क्रिकेटर पृथ्वी के साथ अपने रिश्ते को दिखाने के लिए अपने ऑफिशियल अकाउंट से कई पोस्ट शेयर किए थे। क्रिकेट फैंस को आकृति और पृथ्वी के रिश्ते के बारे में अच्छी तरह से पता है, लेकिन इन सारी बातों के बीच आकृति ने जो पोस्ट शेयर किया वो किसके लिए है ये बड़ा सवाल है। क्या दोनों की राहें जुदा हो गई है, हालांकि अब तक आधिकारिक तौर पर ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

आकृति ने अपने पोस्ट में लिखा कि मेरे साथ कई बार धोखा हुआ, फिर भी मैंने कभी कुछ नहीं कहा। अभी भी यकीन नहीं होता कि एक कदम आगे बढ़ने के बाद... सब कुछ सच है, हर अफवाह सच है। सोशल मीडिया पर आप उनके बारे में जो कुछ भी देखते हैं। जब आकृति ने लिखा कि सब सच है तो इंटरनेट यूजर्स ने आकृति और पृथ्वी के रिश्ते में कुछ गड़बड़ होने का अंदाजा लगाना शुरू कर दिया। हालांकि आकृति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में किसी का नाम नहीं लिया। फिलहाल ना तो आकृति और ना ही पृथ्वी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान आया है। दोनों में से किसी की भी तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया न मिलने के कारण लोगों को यह नहीं पता चला है कि आकृति को सार्वजनिक रूप से इतना दुखद संदेश क्यों साझा करना पड़ा। क्या सगाई के बाद भी उनका ब्रेकअप हो गया है ये सवाल सबके मन में कौंध रहा है।

गोल्डन बूट की रेस हुई रोमांचक

- मेसी-एम्बाप्पे को हालैंड दे रहे कड़ी टक्कर

नई दिल्ली। नॉर्वे के स्ट्राइकर अर्लिंग हालैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 गोल्डन बूट की रेस में फ्रांस के दिग्गज किलियन एम्बाप्पे और अर्जेंटीना के लियोनल मेसी को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। उन्होंने दो गोल करके ब्राजील को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया और नॉर्वे ने राउंड ऑफ 16 का अहम मैच 2-1 से जीत लिया। उन्होंने 79वें और 90वें मिनट में गोल किए। हालैंड के अब 7 गोल हो गए हैं, जो एम्बाप्पे और मेसी के बराबर है। एम्बाप्पे 7 गोल और 2 असिस्ट के साथ फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल्डन बूट की रेस में सबसे ऊपर हैं, जबकि हालैंड और मेसी दोनों के 7 गोल और 0 असिस्ट हैं। नॉर्वे के खिलाड़ी अभी तीसरे नंबर पर हैं क्योंकि मेसी ने कम मिनट में ज्यादा गोल किए हैं। इंग्लैंड के हैरी केन 5 गोल और 0 असिस्ट के साथ चौथे नंबर पर हैं, जबकि फ्रांस के ओस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबल, ब्राजील के विनीसियस जूनियर और इस्माइला सार 4-4 गोल के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

तिलक वर्मा ने अभिषेक का रिकॉर्ड तोड़ा

बने नंबर 1, टी-20 में सबसे कम उम्र में 1500 रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के उप-कप्तान तिलक वर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में 11 गेंदों पर 2 छक्के और एक चौके की मदद से नाबाद 24 रन की पारी 218.18 की स्ट्राइक रेट के साथ खेली। तिलक वर्मा ने अपनी इस पारी के दौरान टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 1500 रन भी पूरे किए और वो टी20 क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे कम उम्र में 1500 रन बनाने वाले सबसे युवा बैटर भी बने।

- **तिलक वर्मा ने दो दिन बाद तोड़ा अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड-** इससे पहले टीम इंडिया के ओपनर अभिषेक शर्मा ने एक जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के दौरान अपने 1500 रन टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे किए थे और भारत की तरफ से क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में 1500 रन बनाने वाले सबसे युवा बैटर बने थे, लेकिन दो दिन के बाद ही यानी 4 जुलाई को तिलक वर्मा ने उनका रिकॉर्ड तोड़ दिया और पहले नंबर पर आ गए। तिलक वर्मा ने टी20आई में 1500 रन 23 साल 238 दिन की उम्र में पूरे किए जबकि अभिषेक ने ये कमाल 25 साल 300 दिन की उम्र में किया था और वो अब दूसरे नंबर पर आ गए।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए त्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670